नई दिल्ली
29
अगस्त, 2026
शनिवार
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 149

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

RNI No. DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com
Email : timesofpedia@gmail.com

डायमंड लीग फाइनल में नीरज चोपड़ा की एंट्री 07

संक्षिप्त वार्ता

भारत के घातक ड्रोन ने किराना हिल्स में मचाया हड़कंप, पाकिस्तान खौफ में

नई दिल्ली। मई 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों पर करारा जवाब दिया था। इस अभियान में भारतीय वायुसेना ने कई लोइटरिंग म्यूनिशन यानी सुसाइड ड्रोन भेजा थे, जो आसमान में घूमकर लक्ष्य से टकराने की क्षमता रखते हैं। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने हाल ही में खुलासा किया कि इसी ऑपरेशन के दौरान, एक ऐसा ही शक्तिशाली ड्रोन पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस के पास किराना हिल्स में जा टकराया था, जिसकी तस्वीरें उस समय पाकिस्तानी मीडिया में भी छाई थीं। इस घटना ने पाकिस्तान को गहरी चिंता में डाल दिया था।

सरगोधा से करीब 10 किलोमीटर उत्तर में स्थित किराना हिल्स में टकराने से पहले, यह ड्रोन दो घंटे तक आसमान में मंडराता रहा था और सरगोधा के रडार सिस्टम को तलाशने का प्रयास कर रहा था।

नेपाल में एक और आफत, एक घंटे में आए भूकंप के दो झटके

काठमांडू। नेपाल में पहले से जारी भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बीच भूकंप के दो झटकों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। तिब्बत और नेपाल की सीमा से लगे हिमालयी क्षेत्र में करीब एक घंटे के भीतर दो भूकंप दर्ज किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, पहला भूकंप तिब्बत क्षेत्र में आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.9 रही। इसके करीब एक घंटे बाद नेपाल में 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। जानकारी के मुताबिक, पहला झटका रात करीब 8:15 बजे महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर नीचे बताया गया। कम गहराई के कारण कई इलाकों में झटके महसूस किए गए और लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

स्नेह, अपनत्व और आपसी विश्वास की डोर सदैव अटूट बनी रहे, यही कामना है

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश को रक्षाबंधन के मौके पर शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लेकर आए। स्नेह, अपनत्व और आपसी विश्वास की डोर सदैव अटूट बनी रहे, यही कामना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर पोस्ट कर लिखा- समस्त देशवासियों को भाई-बहन के अटूट स्नेह और विश्वास को समर्पित रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

पीएम मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह ने रक्षाबंधन की दी देशवासियों को बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देशवासियों को रक्षाबंधन के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भाई-बहन के अटूट स्नेह, परस्पर विश्वास और आत्मीयता का यह पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों की सुंदर झलक प्रस्तुत करता है। यह पर्व हमें महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और गरिमा के लिए प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा भी देता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि इस शुभ अवसर पर मैं कामना करता हूं कि हमारा समाज महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्तिकरण के प्रति और ज्यादा सजग एवं संवेदनशील बने।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देशवासियों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि स्नेह, विश्वास, संस्कार एवं आत्मीयता के पावन पर्व रक्षाबंधन की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि आइए भाई-बहन के अटूट प्रेम के प्रतीक इस पवित्र पर्व पर हम सभी अपनी सनातन सांस्कृतिक विरासत एवं पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने हेतु संकल्पित हों।

भारत बना केन्या का सबसे बड़ा पेट्रोलियम सप्लायर

खाड़ी और अरब देशों को पछाड़कर कई देशों के लिए पेट्रोलियम उत्पादों का प्रमुख निर्यातक भारत बन गया है। इनमें एक महत्वपूर्ण नाम पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या का भी है।

वेब वार्ता, नई दिल्ली

मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार मार्गों में व्यवधानों के कारण संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिसके बाद केन्या को पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन के लिए भारत का रुख करना पड़ा है। इस स्थिति ने भारत को खाड़ी देशों से आगे निकलते हुए केन्या के लिए पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना दिया है।

केन्या लंबे समय से सरकारी समर्थन वाले समझौतों के तहत पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद करता रहा है। इनमें पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन शामिल हैं, जिनकी आपूर्ति मुख्य रूप से सऊदी अरामको, अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी और एमिरेट्स नेशनल ऑयल कंपनी जैसी कंपनियों से होती थी। हालांकि, पश्चिम एशिया में पैदा हुई आपूर्ति बाधाओं और बदलती वैश्विक बाजार परिस्थितियों के बाद केन्या को अपना ईंधन स्रोत बदलना पड़ा। ऊर्जा विश्लेषकों और बाजार आंकड़ों के अनुसार, भारत ने केन्या को गैसोलीन, डीजल, जेट ईंधन और ईंधन तेल की आपूर्ति में संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को पीछे छोड़ दिया है। यह बदलाव भारत की मजबूत रिफाइनिंग क्षमता के कारण संभव हुआ है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल रिफाइनर और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रिफाइनिंग देश है। देश में 22 चालू रिफाइनरियों की कुल क्षमता 258.1 मिलियन टन सालाना है। भारत अपनी जरूरत का 90 फीसदी से अधिक कच्चा तेल आयात करता है और उसे देश की रिफाइनरियों में प्रोसेस करके पेट्रोलियम उत्पादों के रूप में दुनिया के अलग-अलग बाजारों में भेजता है। गुजरात के जामनगर में रिलायंस इंडस्ट्रीज का रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स भारत की विशाल रिफाइनिंग क्षमता का एक बड़ा उदाहरण है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े में से एक है। अफ्रीका में भारतीय ईंधन की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। हाल के एक महीने में अफ्रीका को भारत के पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में सालाना आधार पर 66 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद शुरू की है

यूरोपीय संघ की पाबंदियों के बाद भारतीय कार्गो का एक हिस्सा यूरोप से हटकर अफ्रीकी बाजारों की ओर गया। यूरोपीय संघ ने तीसरे देशों से ऐसे रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाया था, जिन्हें रूसी कच्चे तेल से रिफाइन किया गया था। इसके बाद भारतीय रिफाइनरों के लिए अफ्रीकी बाजारों में नए अवसर बढ़े हैं। यह भी गौरतलब है कि यूक्रेन पर हमलों के बाद रूसी रिफाइनरियों पर दबाव बढ़ने के बाद रूस ने भी भारत से पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद शुरू की है।

फिलीपींस ने अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर की नेवल एक्सरसाइज, बौखलाया चीन

बीजिंग। साउथ चाइना सी में दबदबा कायम रखने के लिए चीन लगातार आक्रामक रवैया अपना रहा है। हाल ही में फिलीपींस ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर एक नेवल एक्सरसाइज की है। इस युद्धाभ्यास से चीन बौखला गया है। चीनी पीएलए की साउदर्न थिएटर कमांड ने कहा कि फिलीपींस पर बाहरी देशों को इलाके में दखल देने के लिए उकसाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि ऐसे जॉइंट पेट्रोल से इलाके की शांति खतरे में पड़ गई है। जवाब में चीन ने भी अपनी नेवी और एयरफोर्स को रूटीन पेट्रोलिंग पर भेजा है। यह तनाव ऐसे समय बढ़ा है जब फिलीपींस भारत से मिली ब्रह्मोस मिसाइलों को तैनात कर रहा है।

पीएम मोदी एससीओ समिट में करेंगे पुतिन से द्विपक्षीय वार्ता

जिनपिंग से भी होगी मुलाकात, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान का दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। सरकार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री के मध्य एशिया दौरे की जानकारी देते हुए बताया कि मोदी शनिवार से उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान की यात्रा पर जाएंगे। एससीओ शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से 1 सितंबर तक बिश्केक में आयोजित किया जाएगा।

बिश्केक में प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ भी मुलाकात प्रस्तावित है। दोनों नेताओं की यह बैठक ऐसे समय में होगी, जब सितंबर में भारत में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित होना है। 12-13 सितंबर को होने वाले इस सम्मेलन में भारत शी जिनपिंग की मेजबानी करेगा। एससीओ सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री की अन्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों का कार्यक्रम भी तैयार किया जा रहा है।

दिसंबर के बाद पुतिन से पहली द्विपक्षीय मुलाकात

पुतिन के दिसंबर 2025 में एससीओ/द्विपक्षीय कार्यक्रम के लिए भारत दौरे के बाद मोदी और रूसी राष्ट्रपति के बीच यह पहली द्विपक्षीय बैठक होगी। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसी सप्ताह मॉस्को का दौरा किया था। उन्होंने भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में हिस्सा लेने के साथ राष्ट्रपति पुतिन से भी मुलाकात की थी। जयशंकर और पुतिन की बातचीत में व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा और परमाणु सहयोग समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई थी। पुतिन ने भारत को उर्वरकों की निरंतर आपूर्ति का भरोसा भी दिलाया था। उन्होंने कहा था कि रूस भारतीय किसानों की मदद के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। जयशंकर ने बातचीत के दौरान पुतिन को बताया था कि प्रधानमंत्री मोदी सितंबर में इफ्क्उर शिखर सम्मेलन के लिए उनकी मेजबानी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली से मसूरी अब सिर्फ फर्राटेदार सफर, देहरादून का जाम छूटेगा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर से मसूरी की ठंडी वादियों की ओर जाने वाले पर्यटकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। देहरादून शहर के अंदरूनी हिस्सों, विशेषकर आईएसबीटी, निरंजनपुर और कारगी चौक पर लगने वाले भीषण जाम से अब जल्द ही छुटकारा मिलेगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएसएआई) एक ऐसा नया रास्ता तैयार कर रहा है, जिससे दिल्ली वाले देहरादून के ट्रैफिक में फंसे बिना सीधे मसूरी और पांवटा साहिब जा सकते है। एनएसएआई देहरादून में लगभग 716 करोड़ की लागत से 12 किलोमीटर लंबा, 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड बाईपास बना रहा है। यह बाईपास झाझरा से शुरू होकर एनएच-7 के पांवटा साहिब-बल्लूपुर सेक्शन को जोड़ेगा और आशारोड़ी चेक पोस्ट के पास दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से सीधा मिलेगा। बाईपास का निर्माण जोर-शोर से चल रहा है और अप्रैल 2027 तक इसके चालू होने की उम्मीद है। इस बासपास के बनने के बाद दिल्ली की ओर से आने वाली गाड़ियां देहरादून शहर में प्रवेश किए बिना सीधे मसूरी, ऋषिकेश, विकासनगर और हिमाचल के पांवटा साहिब के रूट पर निकल जाएंगी।

डॉली पार्टन के निधन से दुनिया भर में शोक

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की दिग्गज गायिका और अभिनेत्री डॉली पार्टन का 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। डॉली पार्टन के निधन की खबर से अमेरिका समेत दुनियाभर में शोक की लहर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी डॉली पार्टन को महान कलाकार बताते हुए उनके निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने उनके सम्मान में पूरे अमेरिका में एक सप्ताह तक राष्ट्रीय ध्वज आधा झुकाए रखने का ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर डॉली पार्टन को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें महान कंट्री गायिकाओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि डॉली पार्टन जैसी कलाकार पहले कभी नहीं हुई और भविष्य में भी उनके जैसा कलाकार मिलना मुश्किल होगा। राष्ट्रपति के निर्देश के अनुसार अमेरिका में सरकारी इमारतों और अन्य प्रमुख स्थानों पर एक सप्ताह तक अमेरिकी ध्वज आधा झुका रहेगा।

ब्यावरा में भीषण बस हादसा, पुल से नीचे गिरे यात्री; 4 की मौत, 11 घायल

कानपुर से इंदौर जा रही तेज रफ्तार बस भोपाल बायपास ब्रिज की दीवार से टकराई

वेब वार्ता, राजगढ़

राजगढ़ जिले के ब्यावरा में भोपाल बायपास ब्रिज पर शुक्रवार सुबह करीब 8.30 बजे एक तेज रफ्तार यात्री बस भीषण हादसे का शिकार हो गई। कर्व वाले ब्रिज पर बस अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और ऊपरी स्लीपर सीटों पर सवार कुछ यात्री खिड़कियां टूटने के बाद ब्रिज से नीचे जा गिरे। कुछ यात्री पुल पर ही गिर पड़े।

हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 यात्री घायल हुए हैं। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों में बस चालक और बेंगलुरु में पदस्थ साइबर इंस्पेक्टर रवि केबी भी शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया।

घायलों को तत्काल ब्यावरा के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया है।

आरोपी को पकड़ने इंदौर जा रही थी बेंगलुरु साइबर टीम

हादसे में जान गंवाने वाले साइबर इंस्पेक्टर रवि केबी, पिता बसप्पा, बेंगलुरु में पदस्थ थे। बताया गया कि वह एक आरोपी को पकड़ने के लिए अपनी टीम के साथ इंदौर जा रहे थे। हादसे में टीम के सदस्य विश्वनाथ, पिता मोहन और रमेश, पिता पंडप्पा भी घायल हुए हैं।

ओवरस्पीड और ब्रिज का कर्व बना हादसे की वजह!

एसपी अमित तोलानी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला तेज रफ्तार से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिज पर कर्व होने के कारण बस के अनियंत्रित होने की आशंका है। पुलिस हादसे के सभी कारणों की जांच कर रही है और मृतकों की पहचान सहित अन्य आवश्यक कार्रवाई जारी है।

मंत्री और अधिकारी पहुंचे अस्पताल

घटना की सूचना मिलते ही राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार और एसपी अमित तोलानी ब्यावरा सिविल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और डॉक्टरों से उपचार की जानकारी ली।

राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि ब्रिज के कर्व पर आवश्यक संकेतक और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित विभाग से चर्चा की जाएगी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को घायलों को बेहतर और तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

मदद को आगे आए टिम कुक

वेब वार्ता, नई दिल्ली। नेपाल में 26 अगस्त को आई अचानक भीषण बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही के बीच दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से मदद के हाथ आगे बढ़ रहे हैं। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने नेपाल और तिब्बत में आपदा से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए आर्थिक सहयोग की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि एप्पल जमीनी स्तर पर चल रहे राहत प्रयासों को समर्थन देने के लिए आर्थिक सहायता राशि दान कर रहा है।

टिम कुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नेपाल और तिब्बत में भयावह बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राहत और पुनर्निर्माण कार्यों में मदद के लिए एप्पल स्थानीय स्तर पर चल रहे प्रयासों का समर्थन करेगा। गौरतलब है कि नेपाल में 26 अगस्त को आई फ्लैश फ्लड ने रसुवागढ़ी क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। बताया गया है कि भोटेकोशी नदी की सहायक नदी ल्हेन्डे का प्रवाह हिमस्खलन के कारण बाधित हो गया था। इसके बाद अचानक पानी का दबाव बढ़ा और नेपाल-तिब्बत सीमा के पास स्थित तिमुरे गांव समेत आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया। इस आपदा की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई क्योंकि घटना के समय इलाके में बारिश नहीं हो रही थी। स्थानीय लोगों को अचानक आई बाढ़ का पहले से कोई अंदाजा नहीं था और वे रोजमर्रा के काम में व्यस्त थे। अचानक आए पानी और मलबे के कारण लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

कहीं भीषण गर्मी तो कहीं बाढ़-भूस्खलन में अलनीनो निभा रहा अहम भूमिका

वेब वार्ता, नई दिल्ली। कहीं भीषण गर्मी तो कहीं कम समय में तेज बारिश से बाढ़ और भूस्खलन जैसे हालात बन रहे हैं। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन के साथ इस समय मजबूत हो रहा अल नीनो भी अहम भूमिका निभा रहा है। हालिया आंकड़े इस बदलाव की गंभीर तस्वीर दिखाते हैं। 22 अगस्त को दुनिया के समुद्रों का औसत सतही तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 1979 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले रिकॉर्ड 21.09 डिग्री सेल्सियस का था, जो मार्च 2024 में दर्ज हुआ था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र धरती की अतिरिक्त गर्मी का बहुत बड़ा हिस्सा अपने अंदर जमा करता है। इसलिए समुद्र का तापमान बढ़ना केवल समुद्री जीवन के लिए खतरा नहीं, बल्कि इसका असर पूरी मौसम व्यवस्था पर पड़ सकता है। गर्म समुद्री पानी से वाष्पीकरण बढ़ता है। इससे वातावरण में ज्यादा नमी पहुंच सकती है और कुछ इलाकों में भारी बारिश और तूफानों की ताकत बढ़ सकती है। दूसरी ओर समुद्र का गर्म होना मछलियों, प्रवाल भित्तियों और दूसरे समुद्री जीवों के लिए भी परेशानी बढ़ाता है। वैज्ञानिकों ने समुद्र के इस नए रिकॉर्ड को बेहद चिंताजनक बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनिया एक मजबूत अल नीनो का सामना कर रही है। पूवार्नुमान के मुताबिक अल नीनो के 2026 के अंत तक और मजबूत होने की संभावना है। अक्टूबर से दिसंबर 2026 के दौरान बहुत मजबूत अल नीनो की संभावना 90 फीसदी से ज्यादा बताई गई है। एक आकलन में इस अवधि में ऐतिहासिक रूप से बेहद मजबूत घटना की 69 फीसदी संभावना भी जताई गई है। वैज्ञानिक मॉडल यह भी संकेत दे रहे हैं कि मौजूदा अल नीनो अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच अपने चरम पर पहुंच सकता है और इसकी ताकत पुराने सबसे मजबूत अल नीनो घटनाक्रमों के स्तर के करीब जा सकती है।

संपादकीय

हिमाचल का भौगोलिक पुनर्गठन

पूर्व में मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार ने पुनः धर्मशाला में हाई कोर्ट की बेंच की स्थापना का मुद्दा रखा है। पिछले चार दशकों से यह मुद्दा गाहे बगाहे सामने आता है, जबकि किसी भी सरकार ने इसे अंजाम तक नहीं पहुंचाया। इस दौरान अदालतों का प्रसार हुआ है। कांगड़ा जिला में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालयों का दर्जा पालमपुर, नूरपुर और देहरा में मिला है। न्याय की परिभाषा में यह तस्वीर उस वक्त पूरी होगी जब हाई कोर्ट की एक पीठ धर्मशाला में स्थापित होगी। इस विषय का संबंध प्रादेशिक राजधानी शिमला से शिफ्ट हो रहे कार्यालयों से है और न्याय के मजमूनों से भी है। इसी तरह की एक अपेक्षा प्रशासनिक जिलों के संबंध में भी है और इसका प्रमुख निशाना भी कांगड़ा ही है, जहां पालमपुर, देहरा व नूरपुर को जिला बनाने की मांग उठती रहती है। अभी हाल ही में नूरपुर और देहरा को पुलिस जिला बनाने से नए जिलों के कयास बढ़े हैं। जाहिर है हिमाचल में संगठनात्मक तौर पर अदालतों और जिलों का पुनगर्ठन करने की दिशा में आगे बढकर कम से कम एक जिला बढ़ाया जा सकता है। हमारा मानना है कि हर जिला के छह विधानसभा क्षेत्र होने चाहिएं। इस तरह दो कबाइली जिलों को छोडकर बाकी ग्यारह जिले छह-छह विधानसभा क्षेत्रों के साथ महत्त्वपूर्ण इकाई साबित होंगे। हिमाचल के कई विधानसभा क्षेत्र आपस में मीलों दूर साबित होते हैं। मसलन नयनादेव, दरंग या जसवां-परागपुर विधानसभा क्षेत्रों की भौगोलिक दूरी को मापना आसान नहीं है। यही भौगोलिक दूरी अदालतों के पुनर्गठन की जरूरत पैदा करती है।

मसलन हाई कोर्ट का दरवाजा शिमला में खुलता है, जबकि न्याय की जरूरतें चंबा, कांगड़ा, ऊना व मंडी के कुछ क्षेत्रों में पैदा होती हैं। अगर धर्मशाला के केंद्र में हाई कोर्ट की बेंच स्थापित होती है, तो न्यायिक राहत पाने की बेड़ियां टूटेंगी। वैसे भी विधानसभा के शीतकालीन सत्र ने जिस तरह क्षेत्रीय प्रश्नों की मिट्टी धर्मशाला में खोजी है, उसी तरह न्याय की जमीन यहां से सशक्त होगी। हिमाचल की जरूरतें कल अगर पूरी की गईं, तो आज उससे भिन्न हैं। भौगोलिक दृष्टि से योजनाओं, परियोजनाओं तथा विभागीय गुणवत्ता दर्ज करने के लिए दफ्तरों का स्थानांतरण, कलस्टर प्लानिंग तथा शहरी एवं ग्रामीण विकास का नजरिया बदलना होगा। दो-तीन शहरों को मिलाकर परिवहन की योजनाएं बनें या इनके मध्य स्थल पर कॉमन सब्जी मंडी, कॉमन अदालत परिसर तथा कर्मचारी नगर बसाए जाएं, तो हिमाचल का सही पुनर्गठन होगा। विडंबना यह है कि प्रशासनिक फैसलों पर भी राजनीति हावी रहती है। इससे सरकारी ढांचे के नतीजे बेहतर नहीं आते। उदाहरण के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम के तीन दर्जन के करीब बस डिपो बना देने का फायदा हिमाचल के परिवहन को नहीं मिला। अब अगर इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति डीजल बसों के विकल्प के रूप में हो रही है, तो पांच नए बस डिपो जोड़े जा रहे हैं। जोगिंद्र नगर, बैजनाथ, पालमपुर, नगरोटा और धर्मशाला में बस डिपो की संख्या और दूरी का आकलन किया होता तो कांगड़ा में इलेक्ट्रिक बस डिपो की घोषणा नहीं होती। प्रदेश में ढांचागत परिवर्तन के लिए प्रशासन की साझी विरासत चाहिए। हर जगह एक जैसी भूमिका में राजनीतिक विस्तार तो संभव है, लेकिन राजनीतिक जरूरतों में प्रशासनिक विस्तार से परिणाम की बेहतरी नहीं होती। बेशक हिमाचल के सीमांत क्षेत्रों की मांग अलग है, मध्यम क्षेत्र की जरूरतें अलग हैं और ऊंचे क्षेत्रों की खूबियां अलग हैं। हिमाचल अंग्रेजी हुकूमत में अलग था, रियासतों में अलग था और आजादी के बाद अलग नजर आया, लेकिन अब बेहतर शासन-प्रशासन की दृष्टि से होना चाहिए।

खतरनाक है वंदे मातरम का विरोध

वैश्विक उदाहरणों को देखें तो 87 प्रतिशत से ज्यादा मुसलमान होने के बावजूद इंडोनेशिया ने अपने उन प्राचीन प्रतीकों को पूर्ण सम्मान दिया है, जो हिंदू धर्म से जुड़े हैं। इंडोनेशिया का राष्ट्रीय प्रतीक भगवान विष्णु का वाहन 'गरुड़' है, तो नोट पर गणेश भगवान का चित्र है।

हर राष्ट्र के कुछ राष्ट्रीय प्रतीक होते हैं, जो उसकी मूलभूत संस्कृति और अस्मिता के साथ बहुत गहराई से जुड़े होते हैं। राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत, राजचिह्न, विभिन्न ध्येय वाक्य ऐसे ही प्रतीक हैं। ये हमारी सैकड़ों-हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना की उपज हैं, जैसे राष्ट्रीय ध्वज में स्थित अशोक चक्र, बौद्ध पंथ के धर्मचक्र का प्रतीक है, सर्वोच्च न्यायालय का ध्येय वाक्य ह्यतो धर्मस्ततो जयःह्न महाभारत के श्लोक 'यतः कृष्णो ततो धर्मो, यतो धर्मः ततो जयः' का हिस्सा है। राष्ट्र गीत वंदे मातरम् भी हजारों वर्षों की सनातन संस्कृति के तत्वों को समाहित किए है। दुर्भाग्य से वंदे मातरम् फिर से विवादों में घिर गया है। इस विवाद ने संवैधानिक, वैधानिक, नैतिक और भारत के भविष्य से जुड़े प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

नवीनतम विवाद 26 जुलाई को संसद द्वारा राष्ट्र गीत वंदे मातरम् को कानूनी संरक्षण देने से आरंभ हुआ, जिसका कांग्रेस, सपा आदि ने विरोध किया। फिर 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम् के गायन को कथित तौर पर रोकने जैसी स्थिति पैदा हुई। 19 अगस्त को कांग्रेस कार्यसमिति ने अपने कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल प्रथम दो ही पद गाने का निर्णय लिया। बंकिमचंद्र रचित गीत वंदे मातरम् को 1896 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगौर ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में गाया, जिसके अध्यक्ष एक मुस्लिम थे। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान हिंदू-मुस्लिम दोनों ने एकजुट होकर वंदे मातरम् गाया। कांग्रेस के सभी अधिवेशनों में इसे गाया जाता रहा, जबकि 1913, 1918, 1921 में कांग्रेस के अध्यक्ष मुसलमान रहे।

वर्ष 1907 में पारसी मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी में जो तिरंगा फहराया, उस पर वंदे मातरम् लिखा था। बलिदानी भगत सिंह अपने पत्रों में वंदे मातरम् से अभिवादन करते थे। क्रांतिकारी अशफाक उल्ला इसे गाते हुए फांसी पर झूल गए। कट्टर होने के पहले जिन्ना इसके सम्मान में खड़े न होने वालों को फटकारते थे। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने वंदे मातरम् से प्रेरित होकर तमिल में वंदे मातरम् शीर्षक से ही देशभक्तिपूर्ण कविता लिखी। 1907 में सेंट स्टीफंस कालेज के पहले भारतीय प्रिंसिपल ईसाई एसके रुद्र और 1916 में 'होमरूल लीग' के सह-संस्थापक जोसेफ बैप्टिस्टा वंदे मातरम् गाते थे।

सभी पंथों के दिग्गज लोगों में स्वीकार्य होने के बावजूद मजहबी कट्टरता के कारण मुस्लिम लीग ने इसका विरोध किया। जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग के दबाव में नेहरू की अध्यक्षता वाली एक समिति ने 1937 में वंदे मातरम् को विभाजित करने का निर्णय लिया। वंदे मातरम् पर मुख्य आपत्ति इसमें लक्ष्मी, सरस्वती एवं दुर्गा के नाम पर है, लेकिन भारत माता यहां त्रिमूर्त रूपों में चित्रित हैं। समृद्धि के प्रतीक रूप में वह लक्ष्मी, ज्ञान के प्रतीक रूप में सरस्वती और शक्ति की प्रतीक के रूप में वह दुर्गा हैं। मनुष्य जीवन के तीन महत्वपूर्ण आयामों-धन, विद्या और शक्ति को भारतीय चिंतन परंपरा में एक दार्शनिक रूप दिया गया है। वंदे मातरम् कोई धार्मिक गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि की वंदना है। पहले स्वयं नेहरू को मूल वंदे मातरम् से आपत्ति नहीं थी। 1937 में अली सरदार जाफरी और सुभाषचंद्र बोस को अलग-अलग पत्रों में उन्होंने लिखा था कि इसमें आए शब्दों का देवी से संबंध जोड़ना हास्यास्पद है और इसके खिलाफ हल्ला-गुल्ला सांप्रदायिक लोगों द्वारा निर्मित है।

आज महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए ह्यलाड़ली लक्ष्मीह्न, ह्यभाग्य लक्ष्मीह्न, ह्यलाडो लक्ष्मीह्न आदि योजनाएं अथवा बालिका शिक्षा के लिए सरस्वती के नाम पर केंद्र-राज्यों में छात्रवृत्तियां और आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। वंदे मातरम् में लक्ष्मी, सरस्वती का नाम आने से इसका विरोध करने वाले क्या यह कहेंगे कि मुस्लिम महिलाएं-बालिकाएं लक्ष्मी, सरस्वती नामक योजनाओं को भी ठुकरा दें? वंदे मातरम् का विरोध भारतीय सांस्कृतिक प्रतीकों की आधी-अधूरी समझ से ज्यादा एक अनैतिक कृत्य है, जिसमें सनातन भारतीय संस्कृति का तिरस्कार और विरोध का भाव छिपा है। अब वंदे मातरम् का विरोध राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 2026 के अनुसार एक कानूनी अपराध है। यह विरोध संविधान के अनुच्छेद 51ए (बी) का भी उल्लंघन है, जिसमें निर्देश है, 'स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखें और उनका पालन करें।' आज यदि सनातन भारतीय प्रतीकों की वजह से वंदे मातरम् का विरोध हो रहा है, तो क्या कल राष्ट्रीय ध्वज पर बौद्ध मत से जुड़े धर्मचक्र का और संवैधानिक एवं सैन्य संस्थाओं से जुड़े ध्येय वाक्यों का भी विरोध होगा कि ये हिंदू धर्म से जुड़े हैं? वैश्विक उदाहरणों को देखें तो 87 प्रतिशत से ज्यादा मुसलमान होने के बावजूद इंडोनेशिया ने अपने उन प्राचीन प्रतीकों को पूर्ण सम्मान दिया है, जो हिंदू धर्म से जुड़े हैं। इंडोनेशिया का राष्ट्रीय प्रतीक भगवान विष्णु का वाहन 'गरुड़' है, तो नोट पर गणेश भगवान का चित्र है। वहां के संसद भवन समेत अन्य सार्वजनिक स्थलों पर श्रीकृष्ण, अर्जुन, घटोत्कच और गरुड़ आदि की प्रतिमाएं हैं। क्या इंडोनेशिया से हमारे कथित सेक्युलर दलों को सीख नहीं लेनी चाहिए?

निरंजन कुमार (लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में डीन योजना और सीनियर प्रोफेसर हैं)

2036 ओलंपिक के लिए प्रदेश का विजन कैसा हो

भारत 2036 के ओलंपिक व 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद के लिए पक्का कर चुका है और 2036 ओलंपिक भी भारत को ही मिलने की पूरी संभावना है। ऐसे में देश के खिलाड़ियों का इन खेलों में पदक विजेता प्रदर्शन जरूरी हो जाता है। हिमाचल प्रदेश जहां यूरोप व अमरीका की तरह जलवायु होने के कारण यहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय खेल संस्थान हो। क्योंकि बेहतर आबोहवा में प्रशिक्षण के लिए करोड़ों खर्च करके हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं। देश में राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला बहुत बढ़िया प्रशिक्षण स्थल है मगर यहां गर्मियों में ट्रेनिंग करना बहुत मुश्किल है। जब हम राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला में प्रवेश करते हैं तो गेट से सौ मीटर आगे चल कर बायीं ओर एक शिला पर लिखा है– विश्वविद्यालयों के ग्रंथकीट नहीं, वरिष्ठ लिपिक नहीं, अपितु हमें ऐसे महापुरुष निकालने चाहिए जो विश्व पटल पर भारत को गौरव प्रदान कर सकें। खेल संस्थान का मतलब विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाला संस्थान। हिमाचल प्रदेश में स्तरीय खेल ढांचे के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठा कर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सके।

हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बन कर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा, तो वास्तव में सरकारी तंत्र व खेल संस्थान इसे कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाते हैं। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाड़ियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने की मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है।

यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी कभी अच्छे परिणाम देने वाला हिमाचल प्रदेश, राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोड़ कर अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत का खेल मंत्रालय व कई राज्यों ने भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दे रहे हैं तथा वहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व उड़ीसा के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमी खोलनी होगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही वह प्रशिक्षण सुविधा मिल सके। केन्द्र व केरल सरकार की तर्ज पर प्रशिक्षकों को भी खिलाड़ी की तरह नगद ईनामी राशि व अवार्ड का प्रावधान किया गया है। आप हर विद्यार्थी को फिटनेस के लिए खेल मैदान में ले जाएंगे, तो उनमें से जरूर कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। प्रतिभा खोज के बाद पढ़ाई के साथ साथ प्रशिक्षण के लिए अच्छी खेल सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिएं। इसके लिए राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान की तर्ज पर अपना राज्य क्रीड़ा संस्थान हो, इसके लिए क्या सरकार कृतसंकल्प नजर आती है, तो जल्द ही इसे अमलीजामा पहनाया जाए। खेल संस्थान में हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगें तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध हो जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जा सकें।

खेल नीति में उन राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वजीफे की बात की है जो खेल छात्रावास के बाहर हों, उन्हें भी खेल छात्रावास के अंतर्गत दैनिक खुराक भत्ता व अन्य सुविधाओं के ऊपर खर्च होने वाली राशि के बराबर वजीफा देने की वकालत हो। खेल प्राधिकरण बनने से पहले राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्य राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान पटियाला करता था। हिमाचल प्रदेश में खेल संस्थान बनता है तो हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पदक विजेता बनाने में सहायक सिद्ध तो होगा ही, मगर साथ साथ गर्मियों के लिए देश के पास एक अच्छा प्रशिक्षण केन्द्र हो जाएगा। ऐसा होता है तो हिमाचल व भारतीय खिलाड़िों को प्रशिक्षण के लिए अच्छा जलवायु मिलेगा और यूरोप व अमरीका में कैंप कराने का करोड़ों रुपया बचेगा। साथ ही साथ हिमाचल प्रदेश को अच्छा राजस्व भी मिलेगा।

भूपिंद्र सिंह, अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक

नेपाल जलप्रलय को समझें प्रकृति की चेतावनी

नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा ने भारत को भी झकझोर कर रख दिया है। इस आपदा में जहां 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीयों समेत हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। इस विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर पूरी भयावहता के साथ रेखांकित कर दिया है। तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने देखते ही देखते बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को निगल लिया।

यह आपदा उस खतरे की गंभीर चेतावनी को दशार्ता है जो हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते पर्यावरण, बढ़ती मानवीय गतिविधियां और अपर्याप्त आपदा तैयारी के कारण बढ़ रहा है। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि बड़ी संख्या में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के पर्यटकों तक, अनेक परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी सकुशल होंगे और बहुत जल्द अपने-अपने घरों को लौअ आएंगे। संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता लोगों का पता लगाना और भी कठिन हो गया है। संकट की इस घड़ी में सीमापार आपदा के लिए पहले से तैयार एक साझा तंत्र की जरूरत महसूस हो रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकंप के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि यह आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयी पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लंबे समय से दुनियां के तमाम शक्तिशाली देशों को चेताते चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसी आपदाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं विकास की आवश्यकता हैं, लेकिन विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा के बीच संतुलन न हो तो यही ढांचा आपदा के समय जोखिम बढ़ा सकता है। नेपाल में नौ बैंक शाखाओं के बह जाने और बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी बताती है कि आपदा का प्रभाव केवल आम आबादी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा भी इसकी चपेट में आता है।

भारत के लिए भी यह घटना महज पड़ोसी देश की त्रासदी नहीं है। नेपाल की नदियां भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक और अन्य नदी प्रणालियों का हिस्सा बनती हैं। इस बार नेपाल से आया तेज बहाव बिहार तक पहुंचा और वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर दबाव बढ़ा। बराज के सभी 36 गेट खोले गए। राहत की बात यह रही कि नारायणी नदी के विस्तृत बहाव क्षेत्र में पानी फैलने से बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया। लेकिन इस राहत को स्थायी सुरक्षा समझना भूल होगी। दरअसल, नेपाल और भारत के बीच नदियां सीमाओं को नहीं मानतीं। इसलिए बाढ़, भूस्खलन, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दोनों देशों को रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। यदि किसी नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक जलस्तर बढ़ता है, तो निचले इलाकों को समय रहते चेतावनी मिलनी चाहिए। चेतावनी और राहत के बीच जितना अधिक समय मिलेगा, उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं। इस आपदा ने संचार व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर किया है। पहाड़ी इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और बिजली व्यवस्था के ठप होने के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह बन जाती है कि किसे बचाया जाए और कहां लोग फंसे हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की योजनाओं में वैकल्पिक संचार व्यवस्था, स्थानीय बचाव दल, सामुदायिक प्रशिक्षण और आपातकालीन आश्रय स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने नेपाल के साथ एकजुटता दिखाई है और राहत सामग्री भेजी है। यह मानवीय सहयोग दोनों देशों के संबंधों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मगर असली परीक्षा आपदा समाप्त होने के बाद शुरू होती है। पुनर्वास, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण और भविष्य के जोखिम को कम करना कहीं अधिक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। नेपाल का जलप्रलय हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का क्षेत्र नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है। विकास जरूरी है, पर्यटन जरूरी है और ऊर्जा परियोजनाएं भी जरूरी हैं, लेकिन इनके लिए प्रकृति की सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुल, सड़क और परियोजना के साथ यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आपदा की स्थिति में उसका जोखिम कितना है। प्रकृति को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

लेखक– डॉ. हिदायत अहमद खान

आलेख

तार-तार होती भाषा की मर्यादा

भारत का सार्वजनिक जीवन इस समय एक गहरे अंतर्विरोध से गुजर रहा है। एक तरफ देश सुशासन, नीतिगत सुधारों और विकास की नई प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक संवाद के आक्रामक और असंसदीय होने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। लोकतंत्र में विरोध करना संवैधानिक अधिकार है, लेकिन जब विरोध की भाषा से शिष्टता गायब हो जाती है, तो नीतिगत बहस का स्थान केवल व्यक्तिगत कटुता ले लेती है।

यह कसौटी सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों पर समान रूप से लागू होती है। राजनीतिक भाषा केवल विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है। वह समाज की सत्ता-संस्कृति और नागरिक चेतना का निर्माण करती है। राजनीतिक संवाद यह तय करता है कि समाज में असहमति का स्वरूप कैसा होगा। यदि अपमान और असत्यापित आरोप ही विमर्श का मुख्य जरिया बन जाएं, तो तथ्यपरक और गंभीर भाषा किनारे हो जाती है। जब शीर्ष नेतृत्व की भाषा संयमित होती है, तो समाज में विमर्श का स्तर परिपक्व बनता है। इसके विपरीत जब भाषा का स्तर गिरता है, तो उसका सीधा असर सामाजिक सद्भाव पर पड़ता है।

आज सार्वजनिक जीवन का संकट यह है कि राजनीति में नीतिगत विरोध और व्यक्तिगत हमले के बीच का अंतर मिटता जा रहा है। असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन जनादेश को नकारना लोकतांत्रिक विवेक को कमजोर करता है। विरोधी दल सत्ता के वैकल्पिक दावेदार हैं, व्यवस्था के शत्रु नहीं। राजनीतिक कटुता का सबसे गंभीर परिणाम तब होता है, जब राजनीतिक विरोधी को विरोधी मानने के बजाय शत्रु मान लिया जाता है। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष, दोनों को एक-दूसरे की राजनीतिक वैधता स्वीकार करनी होती है। जब यह स्वीकार्यता कमजोर पड़ती है, तब हर असहमति देशहित और देशविरोध के द्वंद्व में बदलने लगती है। फिर संवाद का उद्देश्य दूसरे को समझना नहीं, उसे नैतिक रूप से खारिज करना बन जाता है। ऐसी राजनीति में समझौता कमजोरी दिखाई देता है और मतभेद को स्थान देना राजनीतिक अपराध जैसा बना दिया जाता है।

जब राष्ट्रीय स्तर का कोई नेता सार्वजनिक मंचों से अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करता है, तो पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक उसी भाषा को अपना मानक मान लेते हैं। इस प्रकार मंचों से शुरू हुआ भाषाई प्रदूषण धीरे-धीरे समूचे सामाजिक परिवेश को प्रभावित करता है। नेताओं को यह याद रखना होगा कि वे समाज के सार्वजनिक आचरण का पैमाना भी तय करते हैं। सरकार की नीतियों पर कठोर प्रश्न लोकतंत्र की आवश्यकता है, लेकिन प्रश्न को बिना साक्ष्य आरोप बना देना उचित नहीं।

चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं या सरकार की नीयत पर गंभीर आरोप केवल राजनीतिक मंच से दोहराने भर से प्रमाणित नहीं हो जाते। जितना गंभीर आरोप होगा, उतना ही ठोस उसका प्रमाण अपेक्षित होगा। जब हर सरकारी निर्णय को विफलता, हर विवाद को संकट और हर राजनीतिक असहमति को षड्यंत्र बताया जाने लगे, तो जनता धीरे-धीरे इन शब्दों के प्रति उदासीन हो जाती है। तब वास्तविक समस्या भी उसी शोर में दब जाती है। ऐसा विरोध अधिक प्रभावी होता है, जो अपनी गंभीरता बचाए रखे।

लोकतंत्र में प्रभावशाली विपक्ष वह नहीं जो सबसे ऊंची आवाज में बोले, बल्कि वह है जिसकी बात सुनकर सत्ता को जवाब देना पड़े और जनता को विचार करना पड़े। अतिरेक राजनीतिक भाषा को आक्रामक बना सकता है, प्रभावी नहीं।

हमारे सार्वजनिक जीवन में मतभेद के बावजूद संवाद की एक लंबी परंपरा रही है। संसद केवल संख्याबल का मंच नहीं है। वह उस राजनीतिक संस्कार की भी परीक्षा है, जिसमें विरोधी मत को सुनने की क्षमता हो। संसद में भाषा की मयार्दा का महत्व इसलिए भी अधिक है कि वहां बोले गए शब्द संसदीय अभिलेख का हिस्सा बनते हैं। बहस का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना नहीं, अपने तर्क को मजबूत करना है।

आज राजनीतिक भाषण का एक बड़ा हिस्सा डिजिटल मीडिया की त्वरित प्रतिक्रिया और दृश्यता को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। उत्तेजक वाक्य और अमर्यादित बयान अक्सर तेजी से फैलते हैं, जबकि तथ्य और संदर्भ पीछे छूट जाते हैं। 'वायरल होना' और 'विश्वसनीय होना' दो बिल्कुल अलग बातें हैं। उत्तेजना फैलाकर कुछ समय के लिए ध्यान तो खींचा जा सकता है, लेकिन उससे राजनीतिक साख और जनाधार नहीं बनता। सरकार की नीतियों की तीखी आलोचना लोकतंत्र को जीवंत बनाती है, लेकिन नीतिगत आलोचना और संस्थाओं पर सायास सवाल खड़े करने में बड़ा अंतर है।

यदि हर निर्णय के बाद न्यायपालिका या संवैधानिक निकायों की कार्यप्रणाली पर बिना किसी ठोस साक्ष्य के सवाल उठाए जाएंगे, तो इससे आम नागरिक का संवैधानिक व्यवस्था पर से भरोसा डगमगाने लगेगा। संस्थाओं की साख को चोट पहुंचाना लोकतंत्र की नींव को कमजोर करता है। जब राजनीतिक ऊर्जा लगातार आरोप-प्रत्यारोप में खर्च होने लगे, तो नीति पर गंभीर बहस पीछे छूट जाती है। संसद में सरकार से जवाब मांगना जरूरी है, किंतु हर प्रश्न का उद्देश्य नीति को बेहतर बनाना होना चाहिए। सरकार का भी दायित्व केवल आलोचना का उत्तर देना नहीं, अपने निर्णयों को तथ्य एवं परिणामों के आधार पर सामने रखना है। यदि राजनीति का केंद्र शासन और नीति के बजाय लगातार आरोप बन जाए, तो नुकसान पूरे लोकतांत्रिक ढांचे का होता है।

लोकतांत्रिक मयार्दा की रक्षा केवल नेताओं के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती। नागरिक किस प्रकार की राजनीतिक भाषा को महत्व देते हैं, इससे भी सार्वजनिक जीवन की दिशा तय होती है। जनता का विवेक ही असभ्य भाषा पर सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अंकुश है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि चुनाव आते-जाते हैं, सरकारें बदलती हैं, लेकिन राजनीतिक संस्कार लंबे समय तक रहते हैं। भारत को मयार्दा-युक्त विरोध चाहिए। आक्रामकता लोकतांत्रिक राजनीति की ऊर्जा हो सकती है, लेकिन अभद्रता उसकी शक्ति नहीं बन सकती। सत्ता बदल सकती है, दल बदल सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक भाषा के संस्कार समाज में लंबे समय तक रहते हैं। इसलिए राजनीति को जीतने से पहले अपने शब्दों को जीतना होगा।

प्रो. मनोज सिन्हा
(लेखक आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रिंसिपल हैं)

संक्षिप्त वार्ता

रक्षाबंधन पर जाम और खुदी सड़कों से बेहाल दिल्लीवासी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने रक्षाबंधन के अवसर पर राजधानी में यातायात व्यवस्था बिगड़ने को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि त्योहार से पहले पर्याप्त तैयारी नहीं होने के कारण प्रमुख बाजारों और मार्गों पर लोगों को लंबे जाम का सामना करना पड़ा।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि त्योहार के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने के बावजूद सार्वजनिक परिवहन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई। इसके अलावा जगह-जगह सड़कों की खुदाई और अधूरे कार्यों के कारण कई मार्ग संकरे रहे, जिससे यातायात व्यवस्था और प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पहले से निर्धारित त्योहार है और सरकार को बाजारों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों तथा प्रमुख मार्गों पर बढ़ने वाले यातायात दबाव का अनुमान होना चाहिए था। इसके बावजूद प्रभावी यातायात प्रबंधन और अतिरिक्त सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था नहीं की गई।

दस साल पहले करता था ठगी, पहचान बदलकर बना प्रॉपर्टी डीलर, गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। द्वारका साउथ थाना पुलिस ने करीब 10 साल पुराने धोखाधड़ी और ठगी के मामले को सुलझाते हुए एक प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुनील गुप्ता उर्फ सुनील अग्रवाल (45) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी उत्तम नगर के भगवती गार्डन में प्रॉपर्टी डीलर के रूप में काम कर रहा था और लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। आरोपी पहले भी धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड के चार मामलों में शामिल रहा है।

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि असम के गुवाहाटी निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि आरोपियों ने खुद को एचीएफसी बैंक का अधिकारी बताकर उससे गोपनीय जानकारी हासिल कर 2016 में एईएफटी और आईएमपीएस के माध्यम से उसके बैंक खाते से 16 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर लिए। मामला शुरूआत में असम के कामरूप जिले के पान बाजार थाने में दर्ज हुआ था। बाद में जांच के लिए इसे दिल्ली के द्वारका साउथ थाने को ट्रांसफर किया गया। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम जिन बैंक खातों में पहुंची थी, उनमें से कई खाते द्वारका के फर्जी पतों और दस्तावेजों के आधार पर खोले गए थे।

इमारत की तीसरी मंजिल में लगी थी आग, गर्भवती महिला समेत पांच को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। पटेल नगर के बलजीत नगर इलाके में बृहस्पतिवार दोपहर दिल्ली पुलिस के जवानों ने अपनी जान की परवाह किए बिना एक इमारत में आग में फंसे दो बच्चों समेत पांच लोगों की जान बचा ली। इसमें एक गर्भवती महिला भी शामिल हैं। आग की लपटों और घने धुएं के बीच पुलिसकर्मियों ने इमारत की तीसरी मंजिल पर से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। तंग और भीड़भाड़ वाली गलियों के कारण दमकल की गाड़ी इमारत तक नहीं पहुंच पा रही थी। ऐसे में पुलिस ने दमकल कर्मी बनकर स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल राहत और बचाव अभियान शुरू किया। मध्य जिला के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अंगद मेहता ने बताया कि 27 अगस्त की दोपहर करीब 2.04 बजे पटेल नगर थाना पुलिस को बलजीत नगर स्थित हिल मार्ग के एक इमारत में आग लगने की जानकारी मिली।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नवीन कुमार समेत करीब 25 पुलिसकर्मियों की टीम मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने देखा कि इमारत की दूसरी मंजिल पर आग लगी है और धुआं ऊपर की मंजिल में फैल गया है। साथ ही देखा कि इलाके की गलियां बेहद संकरी और भीड़भाड़ वाली है। इस वजह से दमकल की गाड़ी सीधे घटनास्थल तक नहीं पहुंच पा रही थी। इस दौरान पुलिस को पता चला कि तीसरी मंजिल पर पांच लोग फंसे हैं, जिसमें दूसरी मंजिल पर रहने वाली गीता और उनके दो बच्चे मानव, राहुल, तीसरी मंजिल पर रहने वाली गर्भवती महिला बेबी उनके परिचित राजकुमार शामिल हैं।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदला, आज भी होगी बारिश

पूरे हफ्ते बादलों की आवाजाही जारी

मानसून ट्रफ के लोकेशन में अचानक आए बदलाव का असर दिल्ली समेत पूरे एनसीआर क्षेत्र में साफ देखने को मिल रहा है। पिछले 24 घंटों में मौसम ने करवट बदली और कई इलाकों में तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, यह सिलसिला आज (28 अगस्त) भी जारी रहेगा और एनसीआर के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

नई दिल्ली (वेब वार्ता)

इस पूरे हफ्ते मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा और बादलों की आवाजाही लगातार बनी रहेगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से जारी ताजा पूवार्नुमान के अनुसार, आज 28 अगस्त को दिल्ली का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) का स्तर सुबह 80 प्रतिशत और शाम को 65 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक आज आम तौर पर बादलों से घिरा आसमान रहेगा और मध्यम बारिश हो सकती है। हालांकि, इसके साथ कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है, लेकिन लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। आने वाले दिनों की बात करें तो 29 और 30 अगस्त को मौसम में हल्का सुधार होने की संभावना है। इन दोनों दिन अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का पूवार्नुमान है। हालांकि, बारिश की तीव्रता कम हो जाएगी और आंशिक रूप से बादलों से घिरा आसमानह्व रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग का कहना है कि इन दो दिनों के दौरान किसी भी तरह की भारी बारिश की चेतावनी नहीं है। महीने के आखिरी दिन यानी 31 अगस्त को मौसम में नमी और बढ़ जाएगी। इस दिन तापमान 36 डिग्री से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि आर्द्रता का स्तर 85 से 70 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इस दिन भी आंशिक रूप से बादलों से घिरा आसमान ही रहेगा और किसी प्रकार का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। सितंबर की शुरूआत में मौसम में थोड़ी गिरावट आ सकती है। 1 और 2 सितंबर को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का पूवार्नुमान है और आसमान में बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार, 1 और 2 सितंबर को भी आंशिक रूप से बादलों से घिरा आसमान रहेगा और बारिश की कोई गंभीर चेतावनी जारी नहीं की गई है।

गर्मी से मिलेगी कुछ राहत

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून ट्रफ के उत्तर की ओर शिफ्ट होने से इन दिनों नमी की मात्रा अधिक बनी हुई है, जिससे बादलों का निर्माण हो रहा है। हालांकि, यह बारिश न तो बहुत भारी होगी और न ही लंबे समय तक रुकेगी, लेकिन तापमान में गिरावट जरूर दर्ज की जाएगी, जिससे उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिलेगी।

दिल्ली-एनसीआर में 35 रुपये किलो मिलेगा प्याज, केंद्र ने बढ़ती कीमतों पर कसी लगाम

दिल्ली-एनसीआर में प्याज की बढ़ती कीमतों से परेशान लोगों को केंद्र सरकार ने बड़ी राहत दी है। राजधानी के बाजारों में जहां प्याज 60 से 70 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं केंद्र सरकार की एजेंसियां अब इसे महज 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर उपलब्ध कराएंगी।

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)

जानकारी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में 13 स्थानों पर सस्ता प्याज उपलब्ध कराया जा रहा है। आने वाले दिनों में बिक्री केंद्रों की संख्या बढ़ाकर करीब 40 की जाएगी। बृहस्पतिवार को कृषि भवन परिसर में उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने नेफेड और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान कृषि भवन परिसर में लोगों को 35 रुपये किलो की दर से प्याज बेचा गया। पहले दिन करीब 400 किलो प्याज की बिक्री हुई।

निधि खरे ने कहा कि देश में प्याज का उत्पादन और उपलब्धता पर्याप्त है। हालांकि त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने से कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसे नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने बाजार में प्याज की आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

दिल्ली में प्याज की आपूर्ति बढ़ाने के लिए नासिक से चली पहली कांदा एक्सप्रेस नई दिल्ली के आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पहुंच गई। इस ट्रेन के जरिए बड़ी मात्रा में प्याज दिल्ली भेजा गया है, जिसकी बिक्री रियायती दर पर की जाएगी। आने वाले दिनों में और भी कांदा एक्सप्रेस दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के निर्देश पर दिल्ली में प्याज की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए यह विशेष व्यवस्था की गई है। केंद्र सरकार ने मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत बनाए गए बफर स्टॉक में से 840 टन प्याज दिल्ली भेजने का फैसला किया है। इसमें करीब 450 टन प्याज पहली कांदा एक्सप्रेस के जरिए दिल्ली भेजा गया है।

लासलगांव के स्टेशन प्रबंधक प्रितेश दुबे ने बताया कि करीब 450 टन प्याज ट्रेन से दिल्ली भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रेन को जल्द से जल्द गंतव्य तक पहुंचाने का प्रयास किया गया, ताकि राजधानी के उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। सरकार का कहना है कि रियायती दर पर प्याज की बिक्री और अतिरिक्त आपूर्ति से दिल्ली-एनसीआर में कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। इससे त्योहारों के मौसम में आम उपभोक्ताओं को महंगे प्याज से राहत मिलने की उम्मीद है।

बुजुर्गों को मिलेगा मेलजोल और मनोरंजन का मंच

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। राजधानी के बुजुर्गों के लिए दिल्ली सरकार वयो आनंद योजना शुरू करने जा रही है। इस योजना में दिल्ली के भीतर ऐसे केंद्र विकसित किए जाएंगे जहां वरिष्ठ नागरिकों को खाली समय में आराम करने, इनडोर गेम खेलने, एक-दूसरे से मिलने-जुलने और सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए बेहतर माहौल उपलब्ध होगा। इन केंद्रों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग व ध्यान की कक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। सरकार ऐसे मनोरंजन केंद्रों को चलाने वाले संगठनों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, स्वास्थ्य, सक्रिय जीवन तथा सामाजिक जुड़ाव को सुनिश्चित करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसे ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने उनके लिए वयो आनंद योजना ला रही है। उनके लिए शुरू किए जा रहे मनोरंजन केंद्रों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैरम, लूडो आदि इनडोर खेल, बैठने की व्यवस्था, पंखा, कूलर, टेलीविजन, कंप्यूटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। केंद्रों में समाचार पत्र, पत्रिकाएं और किताबें भी रखी जाएंगी ताकि वरिष्ठ नागरिक खाली समय का पूरा उपयोग कर सकें।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, वरिष्ठ नागरिक दिवस और राष्ट्रीय पर्व आदि भी इन केंद्रों में मनाए जाएंगे। योजना में मासिक चिकित्सा शिविर और प्राथमिक उपचार किट की व्यवस्था का भी प्रावधान किया गया है। मनोरंजन केंद्र सप्ताह में कम से कम पांच दिन और प्रतिदिन न्यूनतम सात घंटे खुले रहेंगे। ये केंद्र सुबह 7 बजे से रात 8 बजे के बीच संचालित होंगे। वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को देखते हुए केंद्र का भूतल पर होना या भवन में लिफ्ट की व्यवस्था होना भी प्राथमिकता में रखा गया है। योजना के तहत मनोरंजन केंद्रों में कम से कम 200 ऐसे सदस्य होना जरूरी है, जिनकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक हो।

गोविंदपुरी में दो महीने से पानी की किल्लत, लोग परेशान

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। गोविंदपुरी के होली चौक और आसपास के कई इलाकों में पानी की समस्या ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब दो से ढाई महीने से पानी की सप्लाई नियमित नहीं है। कई घरों में कई दिनों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। ऐसे में लोगों को टैंकर का इंतजार करने, बाजार से पानी खरीदने और दूसरे घरों से पानी लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। पानी की कमी का असर लोगों के रोजमर्रा के काम के साथ नौकरी और बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। स्थानीय निवासी महेंद्र ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर लोगों में काफी गुस्सा है।

रक्षाबंधन पर यातायात पुलिस ने चलाया विशेष अभियान

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। राजधानी में सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने रक्षाबंधन के मौके पर विशेष अभियान चलाकर लोगों को जागरुक किया। ट्रैफिक पुलिस ने इस दौरान लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही उल्लंघन करने वालों का चालान भी किया। कई चौक पर ट्रैफिक पुलिस ने उल्लंघन करने वालों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया। वहीं वाहन चालकों को महिला पुलिसकर्मी ने राखी बांधकर उनसे भविष्य में सड़क पर सुरक्षित चलने का वादा लिया। शाहदरा के चिंतामणि सर्कल, सीलमपुर लालबत्ती, मजनू का टीला चौक आदि पर यह विशेष अभियान चलाया गया। इन जगहों पर ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से बातचीत कर नियमों का पालन करने वालों की सराहना की। इसके साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, लेन में गाड़ी चलाने और ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने से किस प्रकार वाहन चालकों की सुरक्षा बढ़ती है। ऐसा करने से वह न केवल अपनी बल्कि सड़क पर चल रहे लोगों की जान भी सुरक्षित कर पाएंगे।

दिल्ली के उपराज्यपाल को महिला सुरक्षा कर्मियों ने बांधी राखी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के लोक निवास में शुक्रवार को उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू की सुरक्षा टीम में तैनात महिला सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें राखी बांधी। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने इसे बेहद भावुक और अविस्मरणीय पल बताया।

उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि रक्षाबंधन के अवसर पर महिला सुरक्षा कर्मियों के स्नेहपूर्ण भाव से लोक निवास का वातावरण प्रेम, अपनत्व और खुशी से भर गया। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन हमें यह याद दिलाता है कि रिश्ते केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं होते, बल्कि आपसी जुड़ाव और सामुदायिक भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा कर्मियों का यह स्नेह उनके लिए विशेष और भावुक क्षण है। यह पल हम सभी के लिए न भूलने वाला है। उपराज्यपाल ने इस अवसर पर सभी देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और पर्व के माध्यम से आपसी प्रेम, विश्वास और भाईचारे की भावना और मजबूत होने की कामना की।

मैं कॉकरोच नहीं क्योंकि; सोनम वांगचुक ने क्यों खुद को बताया बुलडोजर

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर आंदोलन के करीब एक महीने बाद अपनी भूख हड़ताल, सरकार से बातचीत और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर कई अहम बातें कहीं। सीजेपी के आने वाले आंदोलनों में अपनी भूमिका को लेकर वांगचुक ने अपनी तुलना बुलडोजर से करते हुए कहा कि उनका काम दूसरों के लिए राह बनाना है। सीजेपी आंदोलन की सफलता के लिए प्रमुख किरदार रहे वांगचुक ने कहा कि यदि उनकी आवश्यकता होगी तो वह आगे भी अच्छे मुद्दों पर अपना समर्थन देने के लिए तैयार। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी कहा कि ऑनरेरी कॉकरोच हैं, क्योंकि उम्र अधिक होने और आलसी ना होने की वजह से वह कॉकरोच बनने की योग्यता नहीं रखते हैं।

एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में सोनम वांगचुक ने बताया कि कैसे लद्दाख के एलजी वीके सक्सेना ने उन्हें कहा था कि सीजेपी के पीछे पाकिस्तान और अमेरिका जैसे देश हैं और उनका समर्थन नहीं करना चाहिए। इसके बाद उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी के बारे में अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश की और अभिजीत दीपके से संपर्क में आए। बातचीत के बाद उन्हें लगा कि मंशा गलत नहीं है और ना ही विदेशी ताकत इनके पीछे है। वांगचुक ने कहा कि इसके बाद उन्होंने सीजेपी के साथ खड़े होने का फैसला किया और ऐलान कर दिया कि यदि दीपके को भारत आने के बाद गिरफ्तार किया जाता है तो वह भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे।

वांगचुक से पूछा गया कि क्या वह सीजेपी के साथ मिलकर सरकार से बातचीत करेंगे और आगे आंदोलनों में उनकी क्या भूमिका होगी? सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि वह अच्छे मुद्दों पर साथ देते रहेंगे और सीजेपी को समर्थन की आवश्यकता होगी तो वह इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मैं देश दुनिया के किसी भी अच्छे मुद्दे पर समर्थन के लिए तैयार हूं। कल मैं सीजेपी का समर्थन करने के लिए वहां (जंतर-मंतर) था, उससे पहले लद्दाख के मुद्दों पर वहां था। मैं कुछ सफलता हासिल कर चुका हूं और कुछ का इंतजार कर रहा हूं। जैसे लद्दाख के मामले में जब लोकतंत्र बहाल हो जाएगा और सुरक्षा के उपाय लागू हो जाएंगे, तब शायद मेरी कोई भूमिका नहीं रहेगी। मैं अन्य किसी मुद्दे पर ध्यान दूंगा।'

उन्होंने कहा, 'इसी तरह मेरी आवश्यकता होगी तो मैं मुद्दों पर हमेशा समर्थन करूंगा। यदि वे खुद अच्छे निष्कर्ष पर पहुंच गए हैं और सुचारू रूप से चल रहे हैं तो मैं आगे बढ़ने के लिए तैयार हूं। मैं खुद को बुलडोजर कहता हूं, कार नहीं। बुलडोजर का इस्तेमाल रोड बनाने के लिए होता है। एक बार जब रोड बन जाए आप नहीं चाहेंगे कि उस पर बुलडोजर चले। एक बार रोड बन जाने के बाद जब आवाजाही शुरू हो जाए तो मेरी भूमिका समाप्त हो जाएगी, मैं नई सड़क के लिए एक और पहाड़ काट रहा हूंगा।'

जज को निशाना बनाने वाले वीडियो पर हाईकोर्ट सख्त

यूजर को कारण बताओ नोटिस जारी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। सैदुलाजाब में बहुमंजिला इमारत गिरने से छह लोगों की मौत के मामले में हाईकोर्ट के मौजूदा जज को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर वीडियो डालना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। हाईकोर्ट ने वीडियो को प्रथमद्दष्टया अदालत की अवमानना करने वाला मानते हुए डॉ. कपिल कक्कड़ को कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। अदालत ने पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने यह आदेश दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन (डीएचसीबीए) की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। रजिस्ट्री को कक्कड़ के खिलाफ औपचारिक कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है। हाईकोर्ट ने इससे पहले आठ जून को कक्कड़ के सभी सोशल मीडिया अकाउंट और हैंडल ब्लॉक करने का आदेश दिया था। साथ ही आपत्तिजनक वीडियो के लिंक हटाने के निर्देश भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को दिए गए थे।

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े जासूसी नेटवर्क का किया भंडाफोड़, पति-पत्नी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक कथित जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए एक युवा दंपति को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि दोनों साल 2024 से पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में थे और सोशल मीडिया के जरिए इस नेटवर्क से जुड़े थे।

स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज को दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क की जानकारी मिली थी। जांच आगे बढ़ी तो पुलिस के हाथ एक ऐसे नेटवर्क के सुराग लगे, जो भारतीय सिम कार्ड जुटाकर पाकिस्तान तक पहुंचाने और संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद साहिल और उसकी पत्नी समीरा के रूप में हुई है। साहिल पहले एक पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया था, जिसके बाद दोनों की मुलाकात कथित पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी यानी पीआईओ से कराई गई।

जांच में सामने आया कि साल 2024 और 2025 के दौरान दोनों ने कथित तौर पर 8 भारतीय सिम कार्ड दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजे, जिसके बदले उन्हें करीब 30 हजार रुपये मिले। पुलिस का दावा है कि इन भारतीय नंबरों पर पाकिस्तान में व्हाट्सऐप अकाउंट चलाए गए और इनके जरिए भारतीय व्हाट्सऐप ग्रुपों में प्रवेश कर संवेदनशील जानकारियां जुटाने की कोशिश की गई। इतना ही नहीं, साहिल को भारत में अलग-अलग जगहों पर छावनी इलाकों की रेकी (जासूसी) करने और उन आर्मी जवानों की जानकारी देने का काम भी सौंपा गया था, जिनके कोर्ट मार्शल की कार्यवाही ट्रिब्यूनल में लंबित है।

साहिल से पूछताछ के बाद उसकी पत्नी समीरा को गिरफ्तार किया गया, क्योंकि पाकिस्तानी संस्थाओं को सिम कार्ड उपलब्ध कराने में उसकी अहम भूमिका थी। उनके मोबाइल फोन के फोरेंसिक विश्लेषण में साहिल, समीरा और पाकिस्तानी हैंडलर्स के बीच व्हाट्सएप चैट सहित कई आपत्तिजनक बातचीत मिलीं। उनसे पूछताछ से पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव्स के काम करने के तरीके का पता चला और इस मॉड्यूल की संरचना और कामकाज के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इस ऑपरेशन से पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स और एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म के जरिए ओवर-ग्राउंड वर्कर्स, स्लीपर सेल्स के साथ तालमेल बिठाने के उनके तरीकों के बारे में अहम जानकारी सामने आई। इस ऑपरेशन को अंजाम देकर दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव्स द्वारा की जा रही जासूसी गतिविधियों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया।

बता दें कि मोहम्मद साहिल का जन्म 2001 में हुआ था। इग्नू से बीए करने के बाद उसने एलएलबी करने की योजना बनाते हुए एक वकील के साथ काम करना शुरू किया। जून 2025 में उसने नौकरी छोड़ दी। 2022 में उसकी मुलाकात समीरा से हुई, जिससे उसने बाद में शादी कर ली। साहिल के पिता मोहम्मद अशफाक 1982 में अपने गृहनगर बदायूं (यूपी) से दिल्ली आ गए थे और सराय काले खां में बस गए, जहां वे कार मैकेनिक का काम करते हैं। वहीं, समीरा का जन्म 2005 में हुआ था। दिल्ली से 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद समीरा ने कॉरेस्पोंडेंस के जरिए बीए किया। गिरफ्तारी से पहले समीरा नोएडा के एक कॉल सेंटर में काम करती थीं। समीरा के पिता नदीम 1996 में अपने गृहनगर बिजनौर (यूपी) से दिल्ली आए और शकूरपुर में बस गए।

संक्षिप्त वार्ता

हर्षोल्लास और प्रेम के साथ मनाया गया रक्षाबंधन

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व शुक्रवार को जिलेभर में हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह

से ही घरों में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल दिखाई दिया। बहनों ने विधि-विधान से भाइयों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर राखी बांधी और उनके सुख-समृद्धि एवं दीघार्यु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर जीवनभर उनकी रक्षा और सम्मान का संकल्प दोहराया।

रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में कई दिनों से चल रही तैयारियों का असर पर्व के दिन साफ दिखाई दिया। राखी, मिठाई, फल, कपड़े और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ी रही। सुबह से ही बाजार गुलजार रहे और दुकानदार ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी राखियां और आकर्षक उपहार सजाए नजर आए। पर्व के चलते सड़कों पर भी जबरदस्त भीड़ दिखाई दी। दूर-दराज रहने वाली बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए बसों, निजी वाहनों और अन्य साधनों से मायके पहुंचीं। प्रमुख मार्गों और बाजारों में दिनभर वाहनों की आवाजाही बढ़ी रही। बस स्टैंडों पर यात्रियों की भीड़ के चलते काफी चहल-पहल रही।

बलिया में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़, चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

बलिया, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। बलिया के भीमपुरा थाना पुलिस ने गुरुवार रात हुई मुठभेड़ के बाद महिलाओं के गहने और पुराने पीतल के बर्तन साफ करने के बहाने चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, दो कारतूस, सोने के तीन आभूषण, 15,600 रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस के मुताबिक, गुरुवार रात में भीमपुरा थाना पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि इब्राहिम पट्टी-उधरण मार्ग पर प्रेमराजा गांव के पास कुछ संदिग्ध बदमाश मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्धों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। पुलिस का दावा है कि बदमाशों ने आत्मसमर्पण करने के बजाय जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

सावन पूर्णिमा पर अयोध्या में उमड़ा आस्था का सैलाब, सरयू में श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

अयोध्या, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर अयोध्या में आस्था का सैलाब देखने को मिला। गुरुवार सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू नदी के घाटों पर पहुंचने लगे। लोगों ने सरयू में आस्था की डुबकी लगाई और भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन की कामना की।

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। पूरे महीने शिव भक्त मंदिरों में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। सावन पूर्णिमा इस धार्मिक माह का महत्वपूर्ण पड़ाव है। अयोध्या में भी इस दिन श्रद्धालुओं ने सरयू स्नान के बाद मंदिरों में जाकर पूजा-पाठ किया और शिवलिंग पर जल अर्पित किया। एक पुजारी ने बात करते हुए बताया कि सावन पूर्णिमा का दिन भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने से श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ा रहे हैं, जलाभिषेक कर रहे हैं और शिव की आराधना में जुटे हैं। मान्यता है कि सावन में श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-शांति आती है।

महिलाओं का सम्मान मेरे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं, व्यक्तिगत संकल्प है, रक्षाबंधन पर बोले अखिलेश यादव

लखनऊ, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रक्षाबंधन के अवसर पर उत्तर प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों के नाम संदेश जारी करते हुए कहा कि महिलाओं का सम्मान, उनकी सुरक्षा, उनके सपने और उनकी आकांक्षाएं उनके लिए केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि व्यक्तिगत संकल्प हैं।

उन्होंने कहा कि वह ऐसे उत्तर प्रदेश के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां महिलाओं को समान अवसर, न्याय, स्वाभिमान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नेतृत्व का पूरा अधिकार मिले। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक पत्र जारी कर कहा, ह्नमेरी प्यारी माताओं, बहनों और बेटियों, रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, यह विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और रिश्तों की पवित्र जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस अवसर पर मैं आप सभी को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपका सम्मान, आपकी सुरक्षा, आपके सपने और आपकी आकांक्षाएं मेरे लिए केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि व्यक्तिगत संकल्प हैं।

अयोध्या काशी हुई हमारी, अब है मथुरा की बारी

लखनऊ, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण और परिक्रमा मार्ग से मांस-मछली व मदिरा की दुकानों को हटाने की मांग को लेकर मथुरा कुच करने का ऐलान किया है। परिषद की ओर से लखनऊ के अलग-अलग चौराहों पर पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें लोगों से 30 अगस्त को प्रस्तावित मथुरा कूच यात्रा में शामिल होने की अपील की गई है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के पोस्टरों में लिखा है- अयोध्या काशी हुई हमारी, अब है मथुरा की बारी और हर सनातनी की गूंज, नहीं होंगे आधे-आधे, अब मथुरा में होगा केवल राधे-राधे। परिषद का कहना है कि अयोध्या के बाद अब मथुरा में भी धार्मिक स्थलों की पवित्रता और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज उठाई जाएगी। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि 30 अगस्त को सुबह नौ बजे लखनऊ स्थित परिषद कार्यालय से यात्रा रवाना होगी। उनके मुताबिक, यात्रा के दौरान अलग-अलग जिलों से परिषद के कार्यकर्ता इसमें शामिल होते जाएंगे।

रक्षाबंधन पर ओपी राजभर का अखिलेश पर हमला, बोले- बहनों को गुंडों से सुरक्षा का करें वादा

लखनऊ, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। रक्षाबंधन के मौके पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अखिलेश यादव से सवाल किया कि क्या वह रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की बहनों को ऐसा तोहफा दे सकते हैं, जिसमें सपा के कथित गुंडों से महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी का वादा हो। मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अखिलेश जी, आज रक्षा बंधन है।

त्योहार पर खूब बिकी मिठाई, खाद्य विभाग कहां था?

पर्व आते ही जागने वाले विभाग से जनता का सवाल, बाकी 11 महीने बाजार किसके भरोसे

हरदोई। त्योहार आते ही मिलावट के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की सक्रियता बढ़ जाती है। रक्षाबंधन पर मिठाई की दुकानों पर छापे पड़े, नमूने लिए गए और संदिग्ध खाद्य सामग्री जब्त की गई। अब त्योहार बीत चुका है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या मिलावटखोरी भी त्योहारों तक ही सीमित है?

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

रक्षाबंधन पर जिले में बड़ी मात्रा में मिठाइयों की बिक्री हुई। ऐसे में विभाग की निगरानी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कितनी दुकानों की जांच की गई, कितने नमूने लिए गए और उनमें से कितने मानकों पर खरे नहीं उतरे? जिन नमूनों की रिपोर्ट बाद में आएगी, तब तक संबंधित खाद्य सामग्री कितने लोगों के घरों तक पहुंच चुकी होगी, यह भी चिंता का विषय है।

नमूना लेने के बाद कार्रवाई का इंतजार

खाद्य पदार्थ का नमूना लेना कार्रवाई की शुरूआत है। असली सवाल प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद की कार्रवाई का है। यदि कोई नमूना फेल होता है तो संबंधित कारोबारी के खिलाफ क्या कदम उठाया गया, कितने मामलों में मुकदमे दर्ज हुए और कितनों पर जुमार्ना लगाया गया, इसका स्पष्ट ब्योरा भी जनता के सामने आना चाहिए।

खासकर उन दुकानों और प्रतिष्ठानों पर लगातार निगरानी जरूरी है, जहां पहले शिकायतें मिली हैं या जिनके नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे। सिर्फ त्योहार के समय छापा मारने से मिलावट पर स्थायी अंकुश लगना मुश्किल है।

पूरे साल जांच की जरूरत

दूध, पनीर, खोया, घी, मसाले और मिठाइयों का कारोबार त्योहार खत्म होने के साथ बंद नहीं होता। फिर खाद्य सुरक्षा की निगरानी भी केवल पर्वों के आसपास तेज क्यों दिखाई देती है? जनता यह जानना चाहती है कि त्योहार के बाद विभाग ने कितनी नियमित जांच की, कितने नमूने लिए और कितने नमूनों में गड़बड़ी मिली। छापों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण उनका परिणाम है। मिलावट सीधे लोगों की सेहत से जुड़ा मामला है। इसलिए औचक जांच, नियमित निगरानी, नमूनों की जल्द जांच और दोषी पाए जाने वालों पर समयबद्ध कार्रवाई जरूरी है। अब सवाल सिर्फ इतना है- त्योहार पर जब मिठाई खूब बिक रही थी, तब खाद्य विभाग कहां था और त्योहार बीतने के बाद वह कहां है? जनता को अब छापों के आंकड़े नहीं, कार्रवाई का परिणाम चाहिए।

जिले में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व, भाई की कलाई पर सजी बहनों की राखियां

ललितपुर/आलोक चतुर्वेदी

भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व शुक्रवार को जिलेभर में हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर विशेष तैयारियां शुरू हो गई थीं। बहनों ने पूजा-अर्चना के बाद भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उनके सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनकी रक्षा और हर परिस्थिति में साथ देने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन को लेकर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही खासा उत्साह दिखाई दिया। बहनें नए परिधान पहनकर भाइयों के घर पहुंचीं। कई परिवारों में बहनों ने थाली सजाकर विधि-विधान से भाई की आरती उतारी। राखी बांधने के बाद भाइयों ने बहनों को

उपहार दिए। घर-घर में मिठाइयों का दौर चलता रहा और पर्व की खुशियां परिवारों के बीच बांटी गईं। रक्षाबंधन के चलते शहर के प्रमुख बाजारों में कई दिनों से चहल-पहल बनी हुई थी, लेकिन पर्व के दिन बाजारों में सुबह से ही भीड़ और बढ़ गई। राखी, मिठाई, कपड़े, उपहार, सौंदर्य प्रसाधन और अन्य सामान की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ नजर आई। रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों ने खास तौर पर लोगों का ध्यान खींचा। बच्चों के लिए कार्टून और विभिन्न डिजाइन वाली राखियां भी पसंद की गईं। मिठाई की दुकानों पर भी दिनभर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। लोगों ने घर ले जाने के साथ-साथ रिश्तेदारों और परिचितों के लिए भी मिठाइयों की खरीदारी की। इससे मिठाई कारोबारियों के चेहरे पर भी खुशी नजर आई। बाजारों में बढ़ी आवाजाही से शहर की प्रमुख सड़कों और बाजार क्षेत्रों में दिनभर रौनक बनी रही। रक्षाबंधन पर भाई-बहनों के मिलने-जुलने के कारण परिवहन साधनों में भी भारी भीड़ रही। अपने मायके और ससुराल जाने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ने से बसों और ट्रेनों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में अधिक दिखाई दी। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही यात्रियों की आवाजाही बनी रही। लोग सामान और उपहार लेकर अपने गंतव्य की ओर रवाना होते नजर आए। कई बहनें दूर-दराज के क्षेत्रों से भाइयों के घर पहुंचीं तो कई भाई भी बहनों से राखी बंधवाने के लिए उनके घर पहुंचे। पर्व के चलते सार्वजनिक परिवहन सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव दिखाई दिया। रक्षाबंधन पर्व को लेकर अनेक धार्मिक, ऐतिहासिक और लोक मान्यताएं प्रचलित हैं। मान्यता है कि यह पर्व भाई-बहन के बीच प्रेम और रक्षा के संकल्प का प्रतीक है।

हैंड ग्रेनेड! खतरनाक साजिश? घर में पॉलीथिन में लिपटा मिला संदिग्ध विस्फोटक

वेबवार्ता/हरदोई। हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के जोधनपुरवा गांव में एक ग्रामीण के घर के अंदर पॉलीथिन में लिपटा संदिग्ध सामान मिलने से सनसनी फैल गई। बाद में उसमें हैंड ग्रेनेड होने की बात सामने आने पर गांव में दहशत का माहौल बन गया।

ग्रामीण सतीश कुमार के मुताबिक, रात में किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर के अंदर पॉलीथिन फेंकी। पैकेट तिरपाल से होते हुए जमीन पर गिरा और पानी में जा पहुंचा। उस समय उन्होंने इसे सामान्य सामान समझकर घर के बाहर फेंक दिया। सुबह पैकेट खोलने पर अंदर संदिग्ध वस्तु देखकर उनके होश उड़ गए। सूचना पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और पुलिस को जानकारी दी। सतीश कुमार ने पुरानी रंजिश का हवाला देते हुए सांडी क्षेत्र में रहने वाले कुछ रिश्तेदारों पर आशंका जताई है। हालांकि, आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस करीब 10 मिनट में मौके पर पहुंची।पुलिस ने घर के सामने खेत में पड़े संदिग्ध हैंड ग्रेनेड को कब्जे में लेकर सुरक्षित स्थान पर रखा।

नेपाल की बाढ़ से नारायणी में शव मिलने के बाद प्रशासन अलर्ट

वेब वार्ता, कुशीनगर

नेपाल की बाढ़ से नारायणी में शव मिलने के बाद प्रशासन अलर्ट हो गया है। नेपाल के रसुवा क्षेत्र में भोटेकोसी नदी में आई बाढ़ से भारी जन-धन की क्षति के मद्देनजर प्रशासन की ओर से सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ के पानी के साथ शव और अन्य सामग्री बहकर आने को लेकर जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

सीएमओ, एएसपी, एसडीएम खड्डा व तमकुहीराज और जिला पंचायत राज अधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील नदी क्षेत्रों, घाटों और संभावित प्रभावित स्थानों पर पुलिस व होमगार्ड के जवानों की तैनाती कर निरंतर निगरानी करने को कहा गया है।

डीएम ने कहा कि तेज बहाव में शव अथवा बाढ़ के साथ बहकर आने वाली सामग्री को निकालने के प्रयास में स्थानीय लोग अपनी जान जोखिम में न डालें। इसकी सूचना प्रशासन को दें। यदि बड़ी गंडक नदी में कोई अज्ञात शव मिलता है, तो उसे सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से बाहर निकालकर नियमानुसार पहचान और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जरूरत के अनुसार, शव वाहन और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं पहले से तैयार रखने को कहा गया है। शव निकालने में एसडीआरएफ और पीएसी की फ्लड बटालियन की मदद लेने के निर्देश भी दिए गए हैं। नेपाल की ओर से बाढ़ के पानी के साथ कई तरह की सामग्री और वस्तुएं भी बहकर आने की संभावना है।

प्रशासन ने लोगों को किसी भी अज्ञात, संदिग्ध या संवेदनशील वस्तु को छूने अथवा उठाने से रोकने के निर्देश दिए हैं। ऐसी वस्तु दिखाई देने पर तत्काल पुलिस या संबंधित सुरक्षा अधिकारियों को सूचना देने को कहा गया है। नदी में शव अथवा कोई महत्वपूर्ण या संवेदनशील सामग्री मिलने की प्रत्येक सूचना का दिनांक, समय, स्थान और अन्य विवरण दर्ज किया जाएगा। इसके साथ फोटोग्राफ भी सुरक्षित रखा जाएगा। घटना की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों और आपदा नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

चीरा में फिर पकड़ी गई कच्ची शराब, 90 लीटर बरामद

ललितपुर/आलोक चतुर्वेदी। अवैध कच्ची शराब के खिलाफ पुलिस के अभियान में एक बार फिर ग्राम चीरा कबूतरा डेरा सुर्खियों में है। शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने चीरा कबूतरा डेरा समेत कैलागुवां तिराहा और नदीपुरा क्षेत्र में दबिश देकर 90 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की तथा शराब तैयार करने के लिए रखा करीब 1500 लीटर लहन मौके पर नष्ट कराया। पुलिस ने इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। कार्रवाई की सूचना सामने आते ही अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की सक्रियता एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इसी के साथ चीरा को लेकर एक पुराना सवाल भी फिर खड़ा हो गया है। इस क्षेत्र में पहले भी पुलिस की ओर से अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई और बरामदगी की खबरें सामने आती रही हैं। कार्रवाई होती है, बड़ी मात्रा में लहन नष्ट कराया जाता है, आरोपी पकड़े जाते हैं और विभाग अपनी उपलब्धि गिनाता है—लेकिन कुछ समय बाद फिर उसी क्षेत्र में अवैध शराब तैयार किए जाने की खबर सामने आ जाती है।

जालौन में कुएं में डूबकर दो सगे भाइयों की मौत

जालौन, 28 अगस्त (वेब वार्ता)। जालौन जिले के कैलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में दो सगे भाइयों की कुएं में डूबने से मृत्यु हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कैलिया थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अवनीश सिंह पटेल ने बताया कि करिया बाली गांव में फूल सिंह के खेत पर निजी नलकूप है। अत्यधिक बारिश के कारण कुएं का जलस्तर बढ़ गया जिसके कारण कुएं के अंदर लगा मोटर पंप पानी में डूबने लगा। उन्होंने बताया कि मोटर पंप को सुरक्षित निकालने के लिए रस्सी के सहारे राम लखन (55) कुएं में उतर गए। संतुलन बिगड़ने के कारण कुएं में अधिक पानी होने के कारण राम लखन डूबने लगे। अपने छोटे भाई को कुएं में डूबता हुआ देखकर राम लखन के बड़े भाई फूल सिंह (65) भी कुएं में उतर गए।

रक्षाबंधन पर सौगात: हरदोई में सपा नेता ने शुरू की मुफ्त समाजवादी ई-रिक्शा सेवा

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई, 28 अगस्त। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की महिलाओं को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की सौगात दी, वहीं हरदोई में स्थानीय स्तर पर समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव एवं नगर पालिका हरदोई के अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी रामज्ञान गुप्ता ने बहनों के लिए अनूठी पहल की। उन्होंने अपने निजी खर्च से समाजवादी ई-रिक्शा सेवा शुरू कर महिलाओं को निशुल्क आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई।रामज्ञान गुप्ता ने रक्षाबंधन के मौके पर ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर

रवाना किया। सेवा के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आने-जाने वाली महिलाओं से कोई किराया नहीं लिया गया। रक्षाबंधन पर भाइयों को राखी बांधने जाने वाली बहनों को भीड़भाड़ और महंगे किराए से राहत दिलाना इस पहल का उद्देश्य बताया गया।

इससे पहले रामज्ञान गुप्ता ने बढ़ती महंगाई के विरोध में ह्यपीडीए चीनीह्न अभियान चलाया था। तीन दिनों तक 20 रुपये प्रति किलो की दर से चीनी बेचने के साथ एक दिन निशुल्क चीनी का वितरण किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में विफल रही है। इस अवसर पर सोनू गुप्ता परसपुर, धर्मेंद्र यादव दीपू, शुभम गुप्ता, श्याम गुप्ता, प्रवेश गुप्ता, प्रेम बाबू गुप्ता, शिवम गुप्ता त्यागी, विकास गुप्ता, शिवकुमार गुप्ता, दुर्गेश यादव, रूपेश गुप्ता, कुशपाल यादव, गौरव वर्मा, राकेश पाल, टोनी और गौरव समेत कई सपा कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाश के पैर में लगी गोली, साथी फरार

वेब वार्ता, देवरिया। देवरिया जिले के सदर कोतवाली पुलिस देवरिया ने रविवार को बेलड़ाड मोड़ के पास चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि रुकने के बजाय दोनों बरहज जाने वाले मार्ग की ओर भागने लगे। पीछा करने के दौरान मोटरसाइकिल फिसलने से दोनों सड़क किनारे गिर गए। इसके बाद एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लग गई, जबकि दूसरा बदमाश मौके से फरार हो गया। घायल बदमाश की पहचान मनीष जायसवाल पुत्र मन्नू निवासी देवरिया खास, थाना कोतवाली, देवरिया के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, मनीष के विरुद्ध चोरी और आर्म्स एक्ट समेत 12 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा, जहां उसकी हालत सामान्य बताई गई है। मौके से पुलिस ने मोटरसाइकिल, एक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस समेत अन्य सामान बरामद किया है। फरार बदमाश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने बताया कि चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को देखकर भाग रहे दो बदमाशों में से एक ने पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी है। घायल का उपचार कराया जा रहा है। उसके विरुद्ध पूर्व से कई मुकदमे दर्ज हैं। फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है।

रक्षाबंधन पर बहनों को सौगात: झकरकट्टी बस अड्डे पहुंचे परिवहन अधिकारियों ने महिलाओं को किया जागरूक

वेब वार्ता,कानपुर

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनों को सुगम, सुरक्षित और सम्मानजनक सफर की सौगात देने के लिए कानपुर में परिवहन विभाग पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निदेशों के तहत 27 से 29 अगस्त 2026 तक पूरे उत्तर प्रदेश में महिलाओं के लिए शुरू की गई निःशुल्क बस यात्रा व्यवस्था का जायजा लेने खुद परिवहन विभाग का पूरा अमला झकरकट्टी रोडवेज बस अड्डे पर उतरा।

उपपरिवहन आयुक्त (कानपुर नगर) राम रतन सोनी के नेतृत्व में पहुंचे अधिकारियों ने एआरएम और रोडवेज टीम के साथ बसों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बस अड्डे पर मौजूद महिला यात्रियों से सीधे बातचीत की और उन्हें शासन की इस कल्याणकारी योजना के प्रति जागरूक किया। इस विशेष अभियान के दौरान संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) राजेंद्र कुमार सिंह, आरटीओ (प्रवर्तन) राहुल श्रीवास्तव, एआरटीओ (प्रशासन) आलोक कुमार सिंह, एआरटीओ (प्रवर्तन) कहकशा खातून, पीटीओ दीपक सिंह, डी. के. सिंह तथा एआरएम रोडवेज की पूरी टीम मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने में जुटी रही।

चालकों व परिचालकों को सख्त निर्देश

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने सफर को हर बहन के लिए आरामदायक और यादगार बनाने के लिए चालकों और परिचालकों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए कि यात्रा के दौरान महिला यात्रियों के साथ अत्यंत सहज, सरल और सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखा जाए। बसों के समयबद्ध परिचालन और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। यात्रियों को चढ़ने-उतरने में पूरी सहायता दी जाए।

अब समुद्र मंथन से निकलेगा तेल!

84 हजार करोड़ खर्च कर 60 करोड़ टन तेल-गैस निकालने की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब समुद्र की गहराइयों में छिपे तेल और गैस के भंडार को बाहर निकालने के लिए साल-दर-साल का पूरा रोडमैप तैयार कर रही है। इस स्कीम का नाम समुद्र मंथन यानी नेशनल ऑफशोर एक्सप्लोरेशन स्कीम है। इसे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में मंजूरी दी गई है। योजना का मकसद समुद्र तल के नीचे छिपे करीब 600 मिलियन मीट्रिक टन ऑयल इक्विवेलेंट यानी लगभग 60 करोड़ टन कच्चे तेल के बराबर ऊर्जा भंडार का पता लगाना है, ताकि भारत की इम्पोर्ट पर निर्भरता घटे और एनर्जी सिक्योरिटी मजबूत हो। योजना के पहले फेज के तहत वित्त वर्ष 2030-31 तक कुल 84,084 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 31 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने इस योजना को मंजूरी दी थी। आइए इसके बारे में विस्तार से समझते हैं।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का कंज्यूमर है और उसका सालाना इम्पोर्ट बिल करीब 144 अरब डॉलर यानी लगभग 13 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। बीते एक दशक में कच्चे तेल पर इम्पोर्ट निर्भरता 77 प्रतिशत से बढकर 88 प्रतिशत हो चुकी है। वहीं, प्राकृतिक गैस की करीब आधी जरूरत भी इम्पोर्ट से पूरी होती है। भारत के पूर्वी और पश्चिमी ऑफशोर बेसिन, जो 3,000 मीटर तक की गहराई तक फैले हैं, में 5,600 मिलियन मीट्रिक टन ऑयल इक्विवेलेंट से ज्यादा हाइड्रोकार्बन क्षमता होने का अनुमान है, लेकिन डीपवाटर ड्रिलिंग बहुत महंगी और रिस्की प्रक्रिया है। एक कुएं की ड्रिलिंग पर ही 125-150 मिलियन डॉलर तक खर्च आता है और एक्सप्लोरेशन ब्लॉक मिलने से लेकर कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होने तक 5 से 10 साल लग सकते हैं। यही रिस्क अब तक प्राइवेट और सरकारी दोनों कंपनियों को गहरे समुद्र में उतरने से रोकता रहा है। इसी रिस्क को सरकार के साथ शेयर करने के मकसद से समुद्र मंथन योजना लाई गई है।

पाप की पराकाष्ठा! नेपाल बाढ़ के बीच मानवता शर्मसार

महिला के शव से सोने की बालियां चोरी का वीडियो

नेपाल। नेपाल और तिब्बत में आई भीषण बाढ़ ने जहां हजारों लोगों की जिंदगी को प्रभावित किया है, वहीं इस त्रासदी के बीच सामने आया एक वीडियो इंसानियत को शर्मसार करने वाला है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे करीब 41 सेकंड के वीडियो में कुछ लोग बाढ़ में जान गंवाने वाली एक महिला के शव से कथित तौर पर सोने की बालियां निकालते दिखाई दे रहे हैं. वीडियो सामने आने के बाद नेपाल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लेने की जानकारी दी है. वायरल वीडियो में दो लोग एक महिला के शव को लकड़ी के तख्तों की मदद से खींचते हुए दिखाई देते हैं. वीडियो में दावा किया जा रहा है कि इस दौरान उन्होंने महिला के कानों से सोने की बालियां निकाल लीं और उन्हें अलग रख दिया.

गोरखपुर में वायु सेना प्रमुख से मिल खिल उठे चेहरे

गोरखपुर। वायुसेना के सर्वोच्च अधिकारी को पहली बार इतने करीब देखकर माथाबारी के बच्चों के चेहरों पर उत्साह साफ झलक रहा था। कक्षा छह के राज, कक्षा एक की अनन्या और यूकेजी के शोएब व सोहन के लिए गुरुवार का दिन यादगार बन गया।

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह बच्चों के बीच पहुंचे तो वे उनसे मिलने और उनके साथ तस्वीर खिंचवाने को लेकर उत्साहित दिखे। किसी ने सेल्फी ली तो किसी ने आटोग्राफ लिया। एयर चीफ मार्शल ने भी बच्चों को निराश नहीं किया और उनके साथ सहजता से फोटो खिंचवाई। राज ने बताया कि इतने बड़े अधिकारी को इतने करीब से देखकर उसे बहुत अच्छा लगा। अनन्या के लिए उनसे मिलना और साथ फोटो खिंचवाना खास अनुभव रहा। यूकेजी के शोएब और सोहन भी एयर चीफ मार्शल को अपने बीच पाकर उत्साहित दिखे। बच्चों के लिए वायुसेना प्रमुख का सहज व्यवहार भी आकर्षण का केंद्र रहा। एयर चीफ मार्शल स्कूल के कर्मचारियों से भी आत्मीयता से मिले। उन्होंने अभिभावकों से भी बातचीत की और पूछा कि स्कूल में पढ़ाई कैसी होती है, बच्चों की पढ़ाई ठीक से हो रही है या नहीं।

पंजाब चुनाव मिलकर लड़ेंगी अकाली दल और बीजेपी ?

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के संभावित गठजोड़ को लेकर पिछले कई दिनों से चल रही अटकलों के बीच दिल्ली में घटनाक्रम तेजी से बदला।

सूत्रों के अनुसार शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री और पंजाब के चुनाव प्रभारी बनाए गए सीआर पाटिल से अहम मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक काफी लंबी चली। हालांकि, बैठक में हुई चर्चा को लेकर दोनों पक्षों की ओर से अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

इस मुलाकात को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शिअद और भाजपा के बीच संभावित गठजोड़ की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों दलों के बीच गठजोड़ को लेकर बातचीत चल रही है और अब सबसे बड़ा मुद्दा सीटों के बंटवारे का बताया जा रहा है। दरअसल, किसान आंदोलन के दौरान शिअद ने भाजपा से करीब ढाई दशक पुराना गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद दोनों दल अलग-अलग चुनाव मैदान में उतरे।

अब पंजाब के बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच दोनों दलों के दोबारा साथ आने की चर्चाएं लगातार तेज हो रही हैं।

सीआर पाटिल को हाल ही में पंजाब का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके बाद गठजोड़ को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और तेज हुई हैं। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सीआर पाटिल और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के साथ दिल्ली में लंबी बैठक की थी। इसके बाद से ही पंजाब में भाजपा और शिअद के बीच संभावित गठजोड़ को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। सुखबीर बादल की सीआर पाटिल से ताजा मुलाकात ने इन चर्चाओं को और बल दिया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि दोनों दल सीटों के बंटवारे को लेकर किस फामूर्ले पर सहमत होते हैं। हालांकि, गठजोड़ को लेकर अंतिम फैसला दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व की सहमति के बाद ही सामने आएगा।

सैटेलाइट तस्वीरों से खुलेगा नेपाल में आई बाढ़ का राज! तबाही की वजह जानने की कोशिश कर रहे वैज्ञानिक

नेपाल। नेपाल और तिब्बत में आई भयानक बाढ़ से सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है और कई लोग अभी भी लापता हैं. ऐसे में अधिकारियों को डर है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है. बुधवार को आई बाढ़ के बाद से तबाही की हजारों तस्वीरें और वीडियो सामने आ चुके हैं. वहीं दूसरी ओर राहत और बचाव अभियान अभी भी जारी है.

नेपाल में राहत बचाव अभियान जारी

बता दें कि नेपाल और तिब्बत में बुधवार सुबह कुदरत ने कहर बरपा दिया. जहां विनाशकारी बाढ़ कई गांवों को बहाकर ले गई. इस प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 389 हो गई है. जबकि करीब 1500 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं. लापता लोगों की तलाश के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है. इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने तबाही की वजह जानने और नुकसान का आकलन करने के लिए सैटेलाइट तस्वीरों की जांच शुरू कर दी है.

सैटेलाइट तस्वीरों से खुलेगा नेपाल में आई बाढ़ का राज!

वैज्ञानिक नेपाल में आई बाढ़ की वजह जानने के लिए सैटेलाइट तस्वीरों का विश्लेषण कर रहा हैं. इन वैज्ञानिकों में जियोमॉर्फोलॉजिस्ट क्रिस्टन कुक और डैन शुगर शामिल हैं. उन्होंने बताया कि बुधवार को मिली तस्वीरें साफ नहीं थीं और वे बस इतना ही देख पाए कि तिब्बत सीमा के पास लैंगटांग लिरुंग चोटी से ग्लेशियर का एक हिस्सा टूटकर अलग हो गया था. गुरुवार को उन्हें जो तस्वीरें मिलीं, उनमें वे देख पाए कि ग्लेशियर के नीचे की चट्टान (बेडरॉक) ढह गई थी, जिससे बर्फ का एक बड़ा हिस्सा भी नीचे आ गया और घाटी में बड़े-बड़े पत्थर और बर्फ फैल गए.

सैटेलाइट तस्वीरें देखने के बाद क्या बोले वैज्ञानिक?

कैलगरी यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर शुगर ने कहा, इससे पूरा इलाका बिना किसी रुकावट के साफ दिखाई दे रहा था. हमने देखा कि ऐसा लग रहा था कि न सिर्फ ग्लेशियर टूटा था, बल्कि पहाड़ की तरफ की चट्टान का एक बहुत बड़ा हिस्सा भी ढह गया था. चट्टान का एक बड़ा हिस्सा ढहने की वजह से ग्लेशियर का कुछ हिस्सा भी उसके साथ नीचे आ गया. फ्रांस की यूनिवर्सिटी ग्रेनोबल आल्प्स में काम करने वाले कुक के मुताबिक, घाटी की जमीन से टकराने के बाद भी मलबा ढलान पर अपनी रफ्तार बनाए रहा. नेपाल के कोलपुरतार, बेट्रावती और स्याप्रु बेसी इलाकों की सैटेलाइट से ली गई पहले और बाद की तस्वीरों से पता चलता है कि नदी अब काफी चौड़ी हो गई है और उसका रंग भूरा और काला हो गया है, क्योंकि कुछ जगहों पर यह अपने किनारों से बाहर बह गई और दूसरी जगहों पर इसमें मलबा भर गया.

कुक ने कहा कि पानी के रंग में बदलाव से पता चलता है कि बहाव में कितनी गाद थी; कीचड़ से भरे होने के कारण इसका रंग हरे-पन से बदलकर गहरा भूरा हो गया. कुक ने कहा, "हालांकि अभी हम इस घटना को सीधे तौर पर जलवायु परिवर्तन से नहीं जोड़ सकते, लेकिन गर्म होती जलवायु के साथ इस तरह की और घटनाएं होना कोई हैरानी की बात नहीं है." उन्होंने कहा, "इतनी बड़ी नहीं, उम्मीद है कि इतनी बड़ी नहीं होगी."

बाढ़ से उबरने में लग सकते हैं कई साल

यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो एट बोल्डर के माउंटेन जियोग्राफर (पहाड़ी इलाकों के भूगोल विशेषज्ञ) ऑल्टन बायर्स ने कहा कि अचानक आई बाढ़ ने "अपने पीछे बंजर जमीन छोड़ दी." उन्होंने कहा कि इससे उबरने में कई साल लग सकते हैं. उन्होंने कहा कि उन्हें भी लगता है कि बुधवार की घटना ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हुई. उन्होंने कहा, "मेरे हिसाब से, सभी संकेत वार्मिंग के असर की ओर इशारा करते हैं इस मामले में, पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई मिट्टी) जिसने हजारों सालों से ऊंचे इलाकों में चट्टानों, बर्फ, मिट्टी और ग्लेशियरों को एक साथ बनाए रखने में मदद की है- अब कमजोर और अस्थिर हो रहा है."

नेपाल में बाढ़ की तबाही पर अमेरिका ने बढ़ाया मदद का हाथ

ट्रंप बोले- जो चाहिए, मांग सकते हैं

नई दिल्ली। नेपाल-चीन सीमा से सटे इलाकों में अचानक आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है. इस प्राकृतिक आपदा के बीच अमेरिका ने नेपाल की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि नेपाल को राहत और बचाव कार्यों के लिए जिस भी तरह की सहायता की जरूरत होगी, अमेरिका उसे उपलब्ध कराने के लिए तैयार है. वहीं, बाढ़ के बाद बड़ी संख्या में अमेरिकी नागरिकों से संपर्क नहीं हो पाने की खबर ने अमेरिकी प्रशासन की चिंता भी बढ़ा दी है.

ट्रंप ने नेपाल को हरसंभव मदद का भरोसा दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान नेपाल में हुई तबाही को बेहद भयावह बताया. उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही नेपाल के नेतृत्व के संपर्क में है और आवश्यक मदद उपलब्ध कराने की पेशकश कर चुका है. ्रंप के मुताबिक, नेपाल अमेरिका का मित्र देश है और इस मुश्किल समय में उसे अकेला नहीं छोड़ा जाएगा. उन्होंने कहा कि नेपाल को जिस भी चीज की जरूरत होगी, वह मांग सकता है और अमेरिका मदद के लिए तैयार है.

नेपाल में आई बाढ़ की तीव्रता का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि तबाही इतनी गंभीर है कि मजबूत और अच्छी तरह बनी इमारतें तक पानी के तेज बहाव में बह गईं. उन्होंने इस घटना को बेहद भयावह बताते हुए नेपाल के लोगों के प्रति चिंता व्यक्त की. उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका राहत कार्यों के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने को तैयार है. अमेरिकी प्रशासन लगातार नेपाल की स्थिति पर नजर बनाए हुए है.

90 अमेरिकी नागरिकों से संपर्क नहीं

नेपाल में आई बाढ़ के बाद अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता सामने आई है. अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, करीब 90 अमेरिकी नागरिक ऐसे हैं, जिनसे फिलहाल संपर्क नहीं हो पाया है. प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद अमेरिकी नागरिकों की जानकारी जुटाने और उनकी स्थिति का पता लगाने में लगा हुआ है. अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, अब तक तीन अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है. फिलहाल किसी अमेरिकी नागरिक की मौत की सूचना नहीं मिली है.

ट्रंप ने सुरक्षित होने की जताई उम्मीद

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में कई अमेरिकी नागरिक मौजूद थे. उन्होंने उम्मीद जताई कि नेपाल में मौजूद अमेरिकी नागरिक सुरक्षित होंगे. हालांकि, प्रभावित लोगों की पूरी और अंतिम सूची उपलब्ध नहीं होने के कारण स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है. अमेरिकी अधिकारी स्थानीय प्रशासन के साथ संपर्क बनाए हुए हैं ताकि लापता या फंसे नागरिकों की सही जानकारी मिल सके और जरूरत पड़ने पर उनकी सुरक्षित निकासी कराई जा सके.

नेपाल की आपदा के बाद अमेरिका की ओर से शुरूआती राहत सहायता की घोषणा पहले ही की जा चुकी है.

चीनी हैकर्स का अमेरिका पर बड़ा अटैक

न्याय विभाग, NASA, फेडरल रिजर्व में मारी सेंध

अमेरिका। चीन की साजिश का एक बार फिर खुलासा हुआ है. चीनी हैकर्स ने अमेरिका के बड़े संस्थानों में सेंध मारी है. अमेरिका ने बुधवार को दावा किया कि उसने चीन से जुड़े एक हैकिंग अभियान को नाकाम कर दिया है. इस अभियान के जरिए अमेरिकी न्याय विभाग, नासा, फेडरल रिजर्व, सीनेट और कई अन्य संवेदनशील सरकारी संस्थानों को निशाना बनाया जा रहा था.

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया कि उसने क्यूस्कैन और क्यूटीआराउटर नाम के दो हैकिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े डोमेन जब्त कर लिए हैं. इन डोमेन का इस्तेमाल इस साइबर अभियान को चलाने के लिए किया जा रहा था. हैकर्स ने अमेरिकी ऊर्जा विभाग, स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान और अमेरिका और दक्षिण कोरिया की चार अज्ञात कंपनियों को अपने पीड़ितों में शामिल किया है.

क्या बोला चीनी दूतावास?

वाशिंगटन स्थित चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल में कहा कि हालांकि वे न्याय विभाग के बयान में उल्लिखित विशिष्टताओं से परिचित नहीं हैं, फिर भी चीनी सरकार कानून के अनुसार सभी प्रकार के साइबर हमलों का कड़ा विरोध करती है और उनसे लड़ती है. प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका साइबर सुरक्षा मुद्दों का इस्तेमाल चीन को बदनाम करने या उसकी साख को धूमिल करने के लिए करता है, और चीन राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने और चीनी कंपनियों पर भेदभावपूर्ण प्रतिबंध लगाने के बहाने इसका इस्तेमाल करने का अमेरिका द्वारा विरोध करता है और चीनी कंपनियों के वैध अधिकारों और हितों की दृढ़ता से रक्षा करेगा.

अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, इन हैकिंग प्लेटफॉर्म्स को चीन की कंपनी नानजिंग शिनजिउवेई नेटवर्क टेक्नोलॉजी चलाती थी. विभाग ने दावा किया कि इस कंपनी के ग्राहकों में चीन की नागरिक खुफिया एजेंसी मंत्रालय-ए-राज्य सुरक्षा और उसकी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी शामिल हैं. रॉयटर्स के सवालों पर कंपनी ने कारोबारी समय खत्म होने के बाद तुरंत कोई जवाब नहीं दिया. हलफनामे के मुताबिक, हैकर्स ने 2018 से ही अमेरिका और दुनिया के कई देशों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और संवेदनशील नेटवर्क को निशाना बनाना शुरू कर दिया था. इसके लिए उन्होंने खुद बनाए गए हैकिंग टूल्स का इस्तेमाल किया.

हालांकि, हैकर्स की हर कोशिश सफल नहीं हुई. अगस्त 2019 में उन्होंने वीपीएन की एक खामी का फायदा उठाकर नासा के नेटवर्क में घुसने की कोशिश की थी, लेकिन इसमें वे सफल नहीं हो सके. हलफनामे के अनुसार, सितंबर 2024 में हैकर्स ने अमेरिकी ऊर्जा विभाग की तीन अज्ञात प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (ठक्ल), स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग (ल्लर) की एक एजेंसी और अमेरिका की एक सुरक्षा उपकरण बनाने वाली कंपनी के नेटवर्क में सेंध लगाई थी.

संयुक्त साइबर सुरक्षा ने जारी की रिपोर्ट

एफबीआई, एनएसए और यूएस साइबर कमांड की साइबर नेशनल मिशन फोर्स ने एक संयुक्त साइबर सुरक्षा रिपोर्ट जारी की है. इसमें पिछले कुछ वर्षों में हुई कई हैकिंग घटनाओं की जानकारी दी गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2024 में हैकर्स ने कुछ अमेरिकी रक्षा कंपनियों, वित्तीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों के नेटवर्क में सेंध लगाकर डेटा चुराया था.

दिल्ली में मुस्कान हत्याकांड का आरोपित इमरान गिरफ्तार, देर रात हुई मुठभेड़ में दोनों पैरों में लगी गोली

नई दिल्ली। तिलक नगर में मुस्कान हत्याकांड के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुरुवार की देर रात हुई मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया है। पुलिसिया कार्रवाई में आरोपित के दोनों पैरों में गोली मारनी पड़ी।

क्या है पूरा मामला?

पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर में 21 वर्षीय छात्रा और मॉडल मुस्कान की चाकू मारकर हत्या करने के आरोपी इमरान को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। राजा गार्डन स्थित होम गार्डन ग्राउंड के पास हुई इस मुठभेड़ में आरोपी इमरान के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस फिलहाल हत्या के कारणों और अन्य सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। आरोपी आकिब उर्फ इमरान (26), जो जिम ट्रेनर के रूप में काम करता था, 26 अगस्त को लड़की को उसके अपार्टमेंट में चाकू मारकर हत्या करने के बाद से फरार था। उसे खोजने के लिए 15 से अधिक पुलिस टीमें गठित की गई थीं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ह्रघटना के बाद जिले भर में बैरिकेड और चेकपॉइंट लगाए गए तथा टीमें तैनात की गईं। इमरान अपना ठिकाना बदलता रहा। सूचना मिलने पर स्पेशल स्टाफ और एंटी-टेरर स्क्वाड (एटीएस) की टीमों ने उसे पकड़ने के लिए घेराबंदी की।

सिंगर अंकित बालियान की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई सामने, कुल 9 गोली लगी- 5 शरीर में ही फंसी

शामली। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की बुधवार शाम नाला पटरी मार्ग पर जिम से बाहर निकलते ही बदमाशों ने गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी।

कुछ घंटे बाद ही रात में इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लारेंस गैंग से जुड़े गोगी ग्रुप के भोलू शाहपुरिया ने हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था। इसके अलावा गुरुवार को दिन में हरियाणवी सिंगर भूपेंद्र ढींगरा ने खुद का वीडियो प्रसारित कर दावा किया कि अंकित की उसने हत्या कराई है। चूंकि अंकित ने उसको गाली दी थी। हालांकि अंकित के पिता ने कहा कि उनके पुत्र की ऐसी किसी बड़े गैंग से कोई दुश्मनी नहीं थी। इसमें किसी हरियाणवी सिंगर का हाथ हो सकता है। उधर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार अंकित को नौ गोली लगी थी। पांच शरीर में फंसी रहीं, जबकि चार बाहर निकल गई थी। गुरुवार दोपहर पुलिस मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। देर शाम तक जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों का आना-जाना अंकित के घर लगा रहा। हत्याकांड को अंजाम देने वाले दो शूटरों का फोटो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है।

बुधवार शाम पौने सात बजे चार शूटरों ने कोतवाली क्षेत्र के आर्यपुरी में मसल्स श्री बालाजी जिम से बाहर निकलते ही अंकित बालियान की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी। हत्याकांड से नाराज स्वजन और अन्य ने रात 11:46 तक वर्मा मार्केट चौराहे पर शव रखकर जाम लगाए रखा था। बाद में एसपी ने चार दिन में हत्याकांड का राजफाश करने का आश्वासन दिया था, जिसके बाद स्वजन ने जाम खोल दिया। गुरुवार तड़के ढाई बजे से आठ बजे तक दो चिकित्सकों के पैनल में शव का पोस्टमार्टम हुआ।

सूत्रों के अनुसार अंकित के शरीर में नौ गोली लगी थी। पांच शरीर में फंस गई थीं, जबकि सिर, हाथ और दोनों कंधों में लगी चार गोली आरपार हो गई थी। दोपहर डेढ़ बजे पुलिस की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार हुआ। बड़े भाई राजीव ने मुख्य अग्नि दी थी। बुधवार रात ही अंकित बालियान के पिता सत्यवीर फौजी की तहरीर पर पुलिस ने चार अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था।

राजनीतिक दलों को मिलने वाले नकद चंदे पर सुप्रीम कोर्ट 31 अगस्त को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट राजनीतिक दलों को दो हजार रुपये से कम का नकद चंदा मिलने की अनुमति देने वाले आयकर अधिनियम के प्रविधान की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर 31 अगस्त को सुनवाई करेगा।

यह मामला जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध है। पिछले साल 24 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब तलब किया था।

खेम सिंह भाटी द्वारा दायर इस याचिका में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13ए के खंड (डी) को असंवैधानिक घोषित कर रद करने की मांग की गई है। याचिका में यह भी तर्क दिया गया है कि पारदर्शिता की कमी चुनाव प्रक्रिया की शुचिता को प्रभावित करती है। इससे मतदाताओं को राजनीतिक फंडिंग के स्रोतों और दानदाताओं के बारे में जरूरी जानकारी नहीं मिल पाती, जो एक सूझबूझ भरा मतदान करने के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, याचिका में चुनाव आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि किसी भी राजनीतिक दल के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह के आवंटन के लिए यह अनिवार्य किया जाए कि वह नकद में कोई राशि स्वीकार न करे। याचिकाकर्ता ने अपनी दलील के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के उस 2024 के फैसले का भी हवाला दिया है, जिसमें चुनावी बांड योजना को रद कर दिया गया था। आयकर अधिनियम की धारा 13ए राजनीतिक दलों की आय से जुड़े विशेष प्रविधानों से संबंधित है।

राष्ट्रीय दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

जांजगीर-चांपा का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

एक घंटे में एक लाख से ज्यादा लोगों ने पहनी 'साइबर जागृति राखी'

जांजगीर चाम्पा। जांजगीर-चांपा जिले में पुलिस विभाग ने साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अनोखा साइबर जागृति राखी अभियान चलाया। अभियान के तहत 432 ग्राम पंचायतों, शासकीय संस्थानों और निजी कारखानों के कर्मचारियों को एक घंटे में एक लाख से अधिक साइबर जागृति राखियां पहनाई गईं। इस अनूठी पहल को गोल्डन बुक ऑफ

वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। अभियान का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया गया। जिला मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम से ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से पूरे अभियान की मॉनिटरिंग की गई। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में रिकॉर्ड दर्ज कराने के लिए छत्तीसगढ़ प्रभारी सोनल शर्मा भी कार्यक्रम की निगरानी करती रहीं। उन्होंने मंच से इस आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए जांजगीर-चांपा जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किए जाने की घोषणा की। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि प्रदेशभर में 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक सात सप्ताह का साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान रक्षाबंधन का पर्व होने के कारण जांजगीर-चांपा जिले में लोगों को अभियान से जोड़ने के लिए साइबर जागृति राखी का आयोजन किया गया। अभियान के लिए जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में पुलिसकर्मियों के साथ कोटवार, फॉरेस्ट अमला और महिला कमांडो को तैनात किया गया था। लोगों को एक साथ बैठकर साइबर अपराध से बचाव का संदेश देने और एक-दूसरे को साइबर जागृति राखी पहनाने के लिए प्रेरित किया गया। पूरे कार्यक्रम की ऑनलाइन मॉनिटरिंग भी की गई। उन्होंने आगे बताया कि तय समय में एक लाख से अधिक लोगों ने एक दूसरे के हाथ में साइबर जागृति राखी पहनाया, जिससे हमारे जिले के एक लाख लोग एक साथ साइबर क्राइम के प्रति जागरूक हुए और जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल हो गया।

ताजा खबर
संक्षिप्त

दुर्गा कॉलेज में यातायात जागरूकता कार्यक्रम छात्रों को दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

रायपुर. राष्ट्रीय सेवा योजना और दुर्गा महाविद्यालय की ओर से ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें डीसीपी डॉ. अर्चना झा और एसीपी सीमा अहिरवार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. प्रतिभा मुखर्जी साहूकार ने विद्यार्थियों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की। उन्होंने सभी को वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने के लिए भी प्रेरित किया। डीसीपी डॉ. अर्चना झा ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि खुद और दूसरों की जान की सुरक्षा की नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को वाहन नियंत्रित गति में चलाने और सड़क पर अनुशासन बनाए रखने की बात कही। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को हैकथॉन की जानकारी भी दी। एसीपी सीमा अहिरवार ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के जरूरी नियम बताए। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और हमेशा निर्धारित गति सीमा का पालन करना चाहिए। ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने और हेलमेट लगाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई।

ऑनलाइन ठगी के खिलाफ साइबर जागृति अभियान, 54 बैंक शाखाओं में पहुंची टीम

बलौदाबाजार-भाटापारा। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने गुरुवार को जिले के 54 बैंक शाखाओं में एक साथ साइबर जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने बैंक पहुंचने वाले ग्राहकों और कर्मचारियों को ऑनलाइन ठगी के नए-नए तरीकों की जानकारी दी और उनसे बचने के उपाय बताए। अभियान में 1,560 से अधिक लोग सीधे तौर पर जुड़े। छत्तीसगढ़ पुलिस के 'साइबर जागृति अभियान' के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीयकृत, ग्रामीण और निजी क्षेत्र के बैंक शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक गौरव राय (ढ्ढक्क्) के निर्देशन में जिले के सभी थाना और चौकी क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। खास बात यह रही कि पुलिस के साथ बैंक प्रबंधकों और कर्मचारियों ने भी ग्राहकों को साइबर अपराध से बचाव के तरीके समझाए।

1484 वनरक्षक पदों के लिए लिखित परीक्षा 13 दिसंबर को 16,762 अभ्यर्थी होंगे शामिल

रायपुर. छत्तीसगढ़ वन विभाग में वनरक्षक के 1484 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेज कर दी गई है। भर्ती की लिखित परीक्षा 13 दिसंबर 2026 को होगी। शारीरिक मापदंड और शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल 16,762 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में शामिल होंगे। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश और भर्ती प्रक्रिया की लगातार समीक्षा के बाद लिखित परीक्षा की तारीख तय की गई है। विभाग ने लंबित मामलों का निराकरण करते हुए परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। न मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रदेश के हजारों युवा लंबे समय से इस भर्ती का इंतजार कर रहे हैं। युवा पूरी मेहनत से परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी हो और योग्य युवाओं को जल्द रोजगार का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि वनरक्षक की नौकरी सिर्फ रोजगार का अवसर नहीं है, बल्कि प्रदेश के जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारी भी है।

जशपुर में 3.23 करोड़ की सड़क मंजूर, बहनों को मिली अग्रिम राशि

विष्णु भैया का बहनों को अनोखा रक्षाबंधन उपहार, 64 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात

जशपुरनगर. रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंडरीपानी में आयोजित 'रक्षाबंधन एवं बहनों से संवाद' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम आत्मीयता, सम्मान और भाई-बहन के अटूट स्नेह से सराबोर रहा। इस दौरान क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं और दीदियों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी, वहीं मुख्यमंत्री ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया और सशक्तिकरण की कई महत्वपूर्ण सौगातें दीं। मुख्यमंत्री ने पंडरीपानी में 64 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया, जिसमें महिलाओं की बैठकों, प्रशिक्षण व बैठकों के लिए सुविधाजनक %महतारी सदन% का लोकार्पण प्रमुख है। साथ ही उन्होंने फरसाबहार व भेलवा में नए महतारी सदन तथा मुख्य मार्ग से दानी मोड़ा बस्ती तक 3.23 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण की घोषणा की। सीएम ने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्?त के रूप में प्रदेश की 67

लाख से अधिक बहनों के खातों में 631.38 करोड़ रुपये अंतरित करने की बात कही और रक्षाबंधन को देखते हुए सितंबर माह की राशि भी अग्रिम रूप से जारी करने की जानकारी दी।

कार्यक्रम की कुछ खास बातें व घोषणाएं -

महतारी सदन की सौगात- पंडरीपानी में महतारी सदन का लोकार्पण हुआ, जिसमें महिलाओं के लिए प्रशिक्षण, रसोईघर और शौचालय जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। फरसाबहार और भेलवा में भी नए महतारी सदन की घोषणा की गई। आर्थिक सहायता एवं चेक वितरण- मोंगरा, वैष्णवी, कंदईबहार तथा चांद स्व-सहायता समूहों को 1.5 — 1.5 लाख रुपये और प्रतिज्ञा समूह को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किए गए। वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा- सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बालिकाओं को पासबुक तथा स्वामित्व योजना के अंतर्गत 5 महिला हितग्राहियों (हरावती, जगमनी, राजमनी, लक्ष्मी, सुमित्रा) को जमीन के पट्टे बांटे गए। डिजिटल व जनसेवा पहल- मुख्यमंत्री ने बताया कि %सेवा सेतु% से 700 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई हैं और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान हेतु हेल्पलाइन 1076 शुरू की गई है।

छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा फैसला, 3 को कैबिनेट और कई को राज्य मंत्री का दर्जा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने निगम, मंडल और विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री और राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग (ढ्ढष्ठ) की ओर से आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार तीन अध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है, जबकि कई अन्य अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। आदेश के मुताबिक छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल चौहान, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मण्डावी और छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ममता साहू को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। इन पदाधिकारियों को अब उनके संवैधानिक एवं प्रशासनिक दायित्वों के साथ मंत्री दर्जे के अनुरूप मिलने वाली सुविधाएं और प्रोटोकॉल प्राप्त होंगे। सरकार ने विभिन्न बोर्ड, आयोग और संस्थाओं के कई अध्यक्षों को राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। इनमें छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष गौरीशंकर श्रीवास, छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष आनंद निषाद, छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्या मंडल के अध्यक्ष राजेश कुमार राजपूत, छत्तीसगढ़ राज्य शकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र नायक और छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग के अध्यक्ष सुधीर गौतम

शामिल हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष एजाज मिर्जा बेग, छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा विकास एवं विपणन संघ के अध्यक्ष भोजराज देवांगन, छत्तीसगढ़ राज्य राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य सिंधी अकादमी की अध्यक्ष सुषमा जेठानी और छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी को भी राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है। सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण संस्थाओं के उपाध्यक्षों को भी राज्य मंत्री का दर्जा दिया है। रायपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. जेपी शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी उर्फ राजीव लोचन दास महाराज, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष वेदराम मनहरे और छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष मंगल दास ठाकुर को राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। सरकार के इस आदेश के बाद संबंधित निगमों, मंडलों, आयोगों और बोर्डों के पदाधिकारियों के प्रोटोकॉल एवं प्रशासनिक दर्जे में बदलाव होगा।

रायपुर में श्री विट्ठल संप्रदाय बृहद समाज महासभा सगोष्ठी का आयोजन किया गया

रायपुर। रायपुर में श्री विट्ठल सम्प्रदाय बृहुद समाज महा सभा कार्य छेत्र सम्पूर्ण भारत का संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे विट्ठल संप्रदाय के सम्पूर्ण भारत में विस्तार के लिये विचार विमर्श किया गया और यह निर्णय लिया गया कि एक हाई पॉवर कमेटी का गठन/राष्ट्रीय स्तर कमेटी/प्रांत स्तर पर समिति/जिला स्तर पर समिति का गठन/तहसील स्तर पर समिति का गठन और अन्य समितियों का गठन कर संपूर्ण भारत में स्थापित करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया जो भी सामाजिक कार्यकर्ता विट्ठल सम्प्रदाय में कार्यरत रहकर समाज सेवा करने के लिये तैयार हे वे मोबाइल नंबर 9826223333 पर सम्पर्क कर सकते हैं इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत मे 15 अक्टूबर तक पूर्ण किया जायेगा जिसमे सभी प्रकार के घटक खापो को सम्मिलित किया जायेगा गठन के पश्चात

सामाजिक सेवा कार्य सभी पदाधिकारी के द्वारा शुरू किया जायेगा यह जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरीश वर्मा ने संगोष्ठी मे सम्मिलित सभी सदस्यों को सहमति से प्रसारित की गई है इसमें बड़ी संख्या में उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ता एवं संगठन के सदस्य पदाधिकारी ने सहमति प्रदान की इसमें योगाचार्य श्री के एल नामदेव संस्थापक विट्ठल सम्प्रदाय , श्री नारायण प्रसाद नामदेव,श्री धर्मेश नामदेव श्री नरेन्द्र सोलंकी बीजेपी प्रमुख श्री श्री सुरेंद्र सोलेंकी श्री महेंद्र नामदेव पत्रकार आज तक, डॉ भरत नामदेव बलौदा बाज़ार अविनाश नामदेव सुरेंद्र सोलेंकी महिला मंडल अध्यक्ष लता नामदेव सहित सभी सदस्य मुख्य अतिथि के रूप में श्री ईश्वर घिरड़े समन्वयक नागपुर मुख्य रूप से उपस्थित रहे जिनके मार्गदर्शन में संस्था के विस्तार हेतु कार्यक्रम में गहन विचार विमर्श किया गया साथ ही भगवान शिव का अभिषेक किया गया एवं भव्य भंडारा का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जय विट्ठल जय नामदेव

रायपुर राजकुमार कॉलेज से हटाई गई शिक्षिका होगी बहाल

हाईकोर्ट बोला- 18 साल बाद नौकरी से निकालना अवैधानिक, ब्याज सहित पूरी सैलरी देने का आदेश

बिलासपुर. छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राजकुमार कॉलेज के शिक्षक को 18 साल बाद नौकरी से निकालने के फैसले को अवैध बताया है। कोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराते हुए शिक्षक को दोबारा नौकरी पर रखने और बकाया वेतन 9त्न ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है। साथ ही हाईकोर्ट ने रायपुर के राजकुमार कॉलेज प्रबंधन की अपील खारिज कर दी। दरअसल, रायपुर के राजकुमार कॉलेज में सविता मोहंती को 21 जून 1990 को ओडिया भाषा पढ़ाने के लिए सहायक शिक्षिका के पद पर नियुक्त किया गया था। 1994 में उनकी नौकरी पक्की कर दी गई और उन्हें हर साल वेतन बढ़ोतरी भी मिलती

रही। करीब 18 साल तक नौकरी करने के बाद 19 जून 2008 को कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें अचानक नौकरी से निकाल दिया। प्रबंधन ने कहा कि स्कूल में ओडिया पढ़ने वाले छात्रों की संख्या कम हो गई है। साथ ही सविता के पास बीएड की डिग्री नहीं है, इसलिए उन्हें दूसरे विषय की शिक्षिका के तौर पर भी नहीं रखा जा सकता।

शिक्षिका ने फैसले के खिलाफ अपील की

प्रबंधन के नौकरी से निकालने के फैसले के खिलाफ शिक्षिका ने अपील की। 8 मई 2012 को संबंधित अधिकारी ने शिक्षिका के पक्ष में फैसला सुनाया। उन्हें दोबारा नौकरी पर रखने और पिछला पूरा वेतन 9त्न चक्रवृद्धि ब्याज के साथ देने का आदेश दिया गया।

सिंगल बेंच ने खारिज की थी याचिका, डिवीजन बेंच में दी चुनौती

अपीलीय अधिकारी के इस आदेश के खिलाफ कॉलेज प्रबंधन ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। सिंगल बेंच ने 17 मार्च 2026 को प्रबंधन की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद प्रबंधन ने डिवीजन बेंच में अपील की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद डिवीजन बेंच ने कहा कि 1990 के नियुक्ति पत्र में बीएड की डिग्री जरूरी नहीं थी। 1994 में शिक्षिका की नौकरी पक्की करते समय भी प्रबंधन ने बीएड को लेकर कोई आपत्ति नहीं की थी।

कोर्ट ने कहा कि शिक्षिका को नौकरी से निकालते समय भी मुख्य वजह छात्रों की कम संख्या बताई गई थी। ऐसे में 18 साल बाद बीएड की डिग्री नहीं होने को आधार बनाकर नौकरी से निकालना सही नहीं है।

लोक भवन में रक्षाबंधन का भावुक पल, बच्चों के स्नेह से अभिभूत हुए राज्यपाल; आत्मनिर्भरता और प्रतिभा की सराहना की

दिव्यांग बच्चों ने राज्यपाल रमेन डेका को बांधी प्रेम की राखी

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर कोपल वाणी के श्रवण बाधित दिव्यांग बच्चों तथा मिनी मार्वेल्स स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आज लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल रमेन डेका को अपने हाथों से बनाई गई राखियां बांधीं। बच्चों ने रक्षा सूत्र बांधकर राज्यपाल के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की और उन्हें अपने हाथों से तैयार की गई राखियों की विशेषता भी बताई। इसके बाद बच्चों ने राज्यपाल का मुंह मीठा कराया। मासूम हाथों से बनाई गई राखियां जब राज्यपाल श्री डेका की कलाई पर सजीं तो रक्षाबंधन का यह अवसर आत्मीयता और भावनाओं से भर उठा। राज्यपाल ने बच्चों के स्नेह को सहर्ष स्वीकार करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया तथा उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। लोक भवन पहुंचकर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था।

विशेष रूप से कोपल वाणी के दिव्यांग बच्चों के लिए यह अवसर सम्मान, आत्मविश्वास और गौरव से भरा रहा। अपने हाथों से राखियां तैयार कर उन्हें राज्यपाल की कलाई पर बांधना बच्चों की रचनात्मकता, कौशल और आत्मनिर्भरता का सुंदर उदाहरण रहा। इस अवसर ने यह संदेश भी दिया कि दिव्यांग बच्चे समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें समान अवसर एवं प्रोत्साहन मिलना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने बच्चों की प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन प्रेम, स्नेह और पारस्परिक विश्वास का पर्व है। बच्चों का यह आत्मीय स्नेह मन को छू लेने वाला है। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि समाज को दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर कोपल वाणी की संस्थापिका पदमा शर्मा, श्रद्धा साहू एवं सोनिया दामनी उपस्थित रहीं। मिनी मार्वेल्स स्कूल की डायरेक्टर अनुभूति श्रीवास्तव सहित शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में 6 राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का तबादला

रितु वर्मा को क्क्स्ष्ट परीक्षा नियंत्रक पद से हटाया गया, दीप्ति गौते को मिली जिम्मेदारी

रायपुर. छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के 6 अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। इस फेरबदल में सबसे अहम छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग डॉ. ऋतु वर्मा को क्क्स्ष्ट के परीक्षा नियंत्रक के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया गया है। वहीं दिप्ती गौते को नया परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार को तबादला आदेश जारी किया।

कश्यप को नगरीय प्रशासन विभाग में जिम्मेदारी

अंबिकापुर नगर निगम के आयुक्त देवनारायण कश्यप को मंत्रालय में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का उप सचिव बनाया गया है। वहीं नारायणपुर जिला पंचायत के ष्टश्वह्र विनय कुमार अग्रवाल को अंबिकापुर नगर निगम का आयुक्त बनाया गया है। कोंडागांव के अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर को जिला पंचायत नारायणपुर का मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्टश्वह्र) बनाया गया है।

बेमेतरा के अपर कलेक्टर गुड्डु लाल जगत को मंत्रालय में श्रम विभाग का उप सचिव बनाया गया है। बलौदाबाजार-भाटापारा की अपर कलेक्टर दिप्ती गौते को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (ष्टत्रक्क्स्ष्ट) का परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है।

ऋतु वर्मा को अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया

सामान्य प्रशासन विभाग की उप सचिव डॉ. ऋतु वर्मा को ष्टत्रक्क्स्ष्ट परीक्षा नियंत्रक के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। उनकी उप सचिव के पद पर मौजूदा जिम्मेदारी पहले की तरह जारी रहेगी।

महत्वपूर्ण ख़बर

भारत-पाक महामुकाबले से पहले हरमनप्रीत ने कहा- किसी को हल्के में नहीं लेंगे

■ मुम्बई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को कहा कि उनकी टीम महिला टी20 एशिया कप में किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी को निशाने पर रखकर नहीं चल रही है और इसके बजाय वह अच्छा क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, मौजूदा चैंपियन श्रीलंका, बांग्लादेश, मेजबान यूएई, थाईलैंड, हांगकांग, चीन और इंडोनेशिया की टीम भाग ले रही हैं। वनडे विश्व चैंपियन भारत महिला टी20 एशिया कप में प्रबल दावेदारों में से एक है, लेकिन हरमनप्रीत ने पांच सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अपने बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर बने माहौल को खास तवज्जो नहीं दी।

डायमंड लीग फाइनल में नीरज चोपड़ा की एंट्री, अब श्रीलंकाई स्टार से होगी गोल्ड के लिए टक्कर

ज्यूरिख। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है. ऐसे में अब वह 4 और 5 सितंबर को ब्रुसेल्स में होने वाले फाइनल में गोल्ड मेडल जीतने के लिए मैदान पर उतरेंगे. खास बात यह है कि नीरज 27 अगस्त को हुई ज्यूरिख डायमंड लीग में हिस्सा नहीं ले पाए थे. इसके बावजूद उन्होंने फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया.

नीरज चोपड़ा ने फाइनल में बनाई जगह

ज्यूरिख डायमंड लीग में श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने 92.07 मीटर का थ्रो करते हुए पहला स्थान हासिल किया. यह उनका इस सीजन का दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा. इससे पहले उन्होंने रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो किया था. वहीं, नीरज चोपड़ा ने 21 अगस्त को हुई लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर का थ्रो किया था. इस प्रदर्शन के साथ वह दूसरे स्थान पर रहे थे. इससे पहले दोहा डायमंड लीग में नीरज चौथे स्थान पर रहे थे. इन दोनों प्रतियोगिताओं से उन्हें कुल 12 अंक मिले और वह क्वालिफिकेशन रैंकिंग में छठे स्थान पर रहे. इस तरह उन्होंने डायमंड लीग फाइनल का टिकट हासिल कर लिया.

कैसे मिलते हैं डायमंड लीग में अंक?

आपको बता दें कि डायमंड

लीग की हर प्रतियोगिता में भाला फेंक के टॉप-8 खिलाड़ियों को उनकी रैंक के हिसाब से अंक दिए जाते हैं. क्वालिफिकेशन सीरीज खत्म होने के बाद सभी प्रतियोगिताओं में मिले अंकों को जोड़ा जाता है. इसके बाद टॉप-6 खिलाड़ियों को फाइनल में खेलने का मौका मिलता है. नीरज को दोहा डायमंड लीग से 5 अंक मिले थे, जबकि लुसाने में दूसरे स्थान पर रहने के कारण उन्हें 7 अंक मिले. इस तरह उनके कुल 12 अंक हो गए. यही अंक उन्हें फाइनल तक पहुंचाने में कामयाब रहे.

इन 6 खिलाड़ियों ने किया क्वालीफाई

डायमंड लीग फाइनल के लिए भाला फेंक में कुल 6 खिलाड़ियों ने जगह बनाई है. श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे 39 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं. वहीं ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 35 अंक लेकर दूसरे नंबर पर हैं. जबकि त्रिनिदाद और टोबैगो के केशॉर्न वालकॉट 23 अंकों के साथ तीसरे, अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 20 अंकों के साथ चौथे और केन्या के जूलियस येगो 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं. भारत के नीरज चोपड़ा 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर हैं.

- रुमेश थरंगा पथिरागे (श्रीलंका) - 39 पॉइंट
- एंडरसन पीटर्स (ग्रेनाडा) - 35 पॉइंट
- केशॉर्न वालकॉट (त्रिनिदाद और टोबैगो) - 23 पॉइंट
- कर्टिस थॉम्पसन (यूनाइटेड स्टेट्स) - 20 पॉइंट
- जूलियस येगो (केन्या) - 13 पॉइंट
- नीरज चोपड़ा (भारत) - 12 पॉइंट

पथिरागे का शानदार प्रदर्शन

रुमेश थरंगा पथिरागे ने इस साल डायमंड लीग में शानदार प्रदर्शन किया है. उन्होंने कुल 5 प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और 39 अंक हासिल किए. रबात डायमंड लीग में वह 85.97 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे. इसके अलावा उन्होंने इस साल हुई चार अन्य डायमंड लीग प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज की है. हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स में भी पथिरागे ने शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने 89.75 मीटर का थ्रो करके गोल्ड मेडल जीता था. वहीं, नीरज चोपड़ा ने 85.83 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया था. अब डायमंड लीग फाइनल में एक बार फिर दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है.

इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू के बाद बौखलाया पाकिस्तान

इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरने से किया मना; फिर कराई अपनी बेइज्जती

नई दिल्ली। क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के बीच अचानक विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि पाकिस्तान ने लंच के बाद मैदान पर उतरने से मना कर दिया, लेकिन एक बार फिर उसने अपनी जुबान पर कायम न रहने की आदत पूरी दुनिया को दिखाई और टीम मैदान पर भी उतरी।

मामला पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू का है। सीरीज के ब्रॉडकास्टर स्काई स्पोर्ट्स ने पहले दिन के पहले सेशन के बाद इमरान खान के बेटों का इंटरव्यू चलाने का एलान किया था। पाकिस्तान ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी और कहा कि अगर इंटरव्यू चला तो वह बाबर आजम की टीम मैदान पर नहीं उतरेगी।

हालांकि, स्काई स्पोर्ट्स ने पाकिस्तानी टीम की धमकी पर कुछ नहीं किया और शेड्यूल के मुताबिक इमरान खान के बेटों का इंटरव्यू चलाया। ये इंटरव्यू इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक एथरटन ने लिया। एथरटन उन 21 पूर्व कप्तानों में शुमार हैं जिन्होंने पाकिस्तान के मौजूदा प्रधानमंत्री को इमरान खान की बिगड़ती सेहत के संबंध में पत्र लिखा है। इमरान खान 2023 से जेल में कैद हैं।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि पाकिस्तान टेस्ट के दौरान इमरान खान के बेटों को लाइमलाइट में देख खुश नहीं था। बोर्ड ने कहा था कि अगर इंटरव्यू टीवी पर आता है तो उनकी टीम मैदान पर नहीं उतरेगी, लेकिन पाकिस्तान ने लंच के बाद मैदान पर कदम रखा और पूरे दिन का खएल खेला। लंच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने टीम को मैदान पर वापस जाने से रोकने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड बोर्ड ने उनसे बात की। जहां तक इंटरव्यू की बात है तो इमरान खान के बेटे सुलेमान और कासिम खान ने बताया कि उनके पिता की हालत जेल में कितनी खराब है। उनके बेटों ने बताया कि जेल में उनके पिता की जान को गंभीर खतरा है।

'अपनों की खबर न मिलना सबसे मुश्किल'

नेपाल बाढ़ पीड़ितों और लापता लोगों के लिए सचिन तेंदुलकर ने मांगी दुआ

नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को नेपाल में आई भयानक बाढ़ से प्रभावित परिवारों के प्रति दुख जाया। साथ ही उन लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की जो अपने प्रियजनों के बारे में खबर का इंतजार कर रहे हैं। पर तेंदुलकर ने कहा कि यह न जान पाना कि कोई करीबी सुरक्षित है या नहीं, सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक है। उन्होंने प्रभावित परिवारों और बचाव दलों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

तेंदुलकर ने लिखा, शायद इससे बड़ी अनिश्चितता और कोई नहीं हो सकती कि आप यह न जान पाएं कि आपका कोई प्रियजन सुरक्षित है या नहीं। नेपाल में आई भयानक बाढ़ से प्रभावित सभी परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं, खासकर उन लोगों के साथ जो अभी भी किसी खबर का इंतजार कर रहे हैं। मैं उनके प्रियजनों और उन तक पहुंचने के लिए दिन-रात काम कर रहे बचाव दलों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहा हूं।

नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। विदेश मंत्रालय (टएअ) ने गुरुवार को बताया कि 84 भारतीय नागरिकों को बचा लिया गया है, जबकि 290 लोगों से अभी भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। इस आपदा में कम से कम 392 लोगों की जान गई है और हिमालयी देश में खोज, बचाव और राहत अभियान तेज कर दिए गए हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी ताजा जानकारी के अनुसार, त्रिशूली-क प्रोजेक्ट के 63 कर्मचारियों और तमिलनाडु के 21 लोगों को बचा लिया गया है। तमिलनाडु के ये 21 नागरिक कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गए थे, जबकि बचाए गए 63 कर्मचारी त्रिशूली-कप्रोजेक्ट से जुड़े थे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में उन भारतीय नागरिकों का पता लगाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिशें जारी हैं जिनसे अभी तक संपर्क नहीं हो पाया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब नेपाल बुधवार सुबह रसुवा जिले में आई भीषण अचानक बाढ़ के असर से जूझ रहा है। इस बाढ़ के कारण पानी, गाद और बड़े पत्थरों का तेज बहाव भोटे कोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों से होकर गुजरा।

कारोबार

द बोनस मार्केट अपडेट: रक्षाबंधन के दिन शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 300 अंक उछला, निफ्टी 24100 के पार

नई दिल्ली।भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 300 से अधिक अंक उछला और निफ्टी 24,100 के ऊपर रहा। इंफोसिस और एटर्नल के शेयरों में दो फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में भी सकारात्मक रुझान दिखा।

जानें बाजार विशेषज्ञों की राय और आगे की चाल। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ खुला। पिछले दिन महीने के अंत की समाप्ति सत्र में तेज गिरावट के बाद निवेशकों में घबराहट थी। आज बाजार में सकारात्मक शुरूआत से निवेशकों को राहत मिली है।

सेंसेक्स 297.01 अंक या 0.38 फीसदी की वृद्धि के साथ 77,230.60 पर पहुंच गया। निफ्टी भी 60.25 अंक या 0.25 फीसदी बढ़कर 24,151.10 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इंफोसिस और एटर्नल जैसी कंपनियों के शेयरों में दो फीसदी की वृद्धि दर्ज की

गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, निफ्टी के लिए 24,300 से 24,400 का दायरा एक प्रमुख प्रतिरोध बना हुआ है। तेजी के रुझान को मजबूत करने के लिए निफ्टी को 24,400 से ऊपर बंद होना आवश्यक है।

आज बाजार में क्या खास रहा?

शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने हरे निशान में शुरूआत की। सेंसेक्स 300 से अधिक अंक उछल गया। निफ्टी भी 24,100 के स्तर से ऊपर कारोबार कर रहा था। इंफोसिस और एटर्नल के शेयरों में 2 फीसदी की वृद्धि देखी गई। यह वृद्धि पिछले दिन की गिरावट के बाद आई है।

वैश्विक बाजारों का रुझान कैसा रहा?

टोक्यो समय अनुसार दोपहर 12:03 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा में थोड़ा बदलाव आया। जापान का टॉपिक्स 0.9 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.3 फीसदी ऊपर रहा। हांगकांग का हैंग सेंग 0.4 फीसदी बढ़ा। शंघाई कम्पोजिट में 0.1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। यूरो स्टॉक्स 50 वायदा भी 0.3 फीसदी ऊपर रहा।

द्विपक्षीय निवेश संधि पर वार्ता को हरी झंडी, 2030 तक 4.65 लाख करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच आर्थिक संबंधों में नया अध्याय जुड़ रहा है। नई दिल्ली में मार्च 2026 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच पहली आर्थिक और वित्तीय वार्ता संपन्न हुई। बैठक के बाद भारत ने कनाडा के साथ जल्द से जल्द 'द्विपक्षीय निवेश संधि' (बीआईटी) पर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। यह रणनीतिक कदम निवेश संबंधों को मजबूत करेगा और वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर यानी करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इस वार्ता का मुख्य ध्यान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना और निवेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा। दोनों पक्षों ने वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को बढ़ाकर 70 अरब कनाडाई डॉलर (करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया है। यह महत्वपूर्ण कदम मार्च 2026 में नई दिल्ली में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बैठक की प्रतिबद्धताओं पर आधारित है। दोनों पक्षों ने वर्ष 2026 के अंत तक 'कनाडा-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता' (सीईपीए) वार्ता को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है।

यूके की कंपनी ने फोसेको इंडिया में हिस्सेदारी बेची; महाराष्ट्र में किसानों के 382 करोड़ कर्ज माफ

मुम्बई। ब्रिटेन की कंपनी मॉर्गन एडवांस्ड मैटेरियल्स ने गुरुवार को फोसेको इंडिया में अपनी पूरी 15.26 प्रतिशत हिस्सेदारी 678 करोड़ रुपये में बेच दिया। हिस्सा बेचने के साथ ही कंपनी ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के ब्लॉक डील आंकड़ों के अनुसार, मॉर्गन की दो सहयोगी कंपनियों मॉर्गनाइट क्रूसिबल लिमिटेड और मॉर्गन टेरेसन बीवी ने कुल 11,50,800 शेयर बेचे। इन शेयरों की औसत कीमत 5,897 रुपये प्रति शेयर रही और सौदे का कुल मूल्य 678.62 करोड़ रुपये रहा। इस सौदे में कई घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने हिस्सेदारी खरीदी। एलआईसी, मोतीलाल ओसवाल, इनवेस्को, एसबीआई, महिंद्रा मैनुलाइफ और मिराए एसेट से जुड़े म्यूचुअल फंडों ने शेयर खरीदे। इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के फैमिली ऑफिस कैटामारन वेंचर्स ने भी निवेश किया। मॉर्गन स्टेनली और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स समेत विदेशी निवेशकों ने भी हिस्सेदारी हासिल की। फोसेको इंडिया फाउंड्री क्षेत्र में कारोबार करती है।

महाराष्ट्र के नांदेड जिले में 51,330 किसानों को कृषि ऋण माफी योजना के दूसरे चरण में 381.94 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने 381,94,67,038 रुपये जारी कर संबंधित बैंकों को भेज दिए हैं। बैंक अब किसानों के ऋण खातों में माफी की राशि जमा करने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं। इससे पहले योजना के पहले चरण में 12,929 किसानों के लिए 106.24 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। ऋण माफी पाने वाले किसान नए कर्ज के लिए पात्र होंगे। जिले में 27 अगस्त तक 73,666 किसानों ने आधार प्रमाणीकरण पूरा कर लिया था, जबकि 23,106 किसान अभी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए हैं।

रूसी बमबारी से दहली यूक्रेन की अर्थव्यवस्था

रिहाइशी इलाके भी बने निशाना, इन गोदामों पर भी बरसीं मिसाइलें

नई दिल्ली/कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब एक नए विनाशकारी आर्थिक मोर्चे पर पहुंच गया है। गुरुवार सुबह राजधानी कीव समेत नौ यूक्रेनी शहरों पर रूस ने मिसाइलों और ड्रोन की भीषण बारिश कर दी।

साढ़े चार साल से जारी इस युद्ध में यह हमला न सिर्फ सैन्य ठिकानों पर, बल्कि यूक्रेन के निजी व्यवसायों और समग्र अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने के इरादे से किया गया था। इस हमले में आम नागरिकों की जान जाने के साथ-साथ यूक्रेन की बिजली प्रणालियों, अनाज निर्यात बंदरगाहों और बड़े व्यापारिक गोदामों को भारी क्षति पहुंची है।

रूस ने इस बार रिहाइश के साथ निजी बिजनेस को निशाना क्यों बनाया?

रूस अब यूक्रेन के आर्थिक तंत्र को सीधी चोट पहुंचाने की नीति पर काम कर रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे तेल रिफाइनरियों, लॉजिस्टिक्स हब और बंदरगाहों जैसे सैन्य-औद्योगिक ठिकानों पर कार्रवाई बताया। लेकिन असल चोट यूक्रेन के निजी व्यापार को लगी है। रूसी ड्रोन हमलों ने तीन बड़े वितरण केंद्रों को निशाना बनाकर खिलौनों की एक स्टोर चेन और एक चॉकलेट कंपनी के विशाल गोदामों को तबाह कर दिया, जबकि एक इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर का डिपो क्षतिग्रस्त हो गया। दरअसल, यूक्रेन के हालिया लंबी दूरी के ड्रोन हमलों से रूस को वित्तीय मुश्किलें हुई थीं, जिससे नाराज होकर रूस ने यूक्रेनी निजी उद्योगों पर यह हमला किया है।

यूक्रेन ने पलटवार में रूस के किस बड़े ऑनलाइन कारोबारी साम्राज्य को निशाना बनाया?

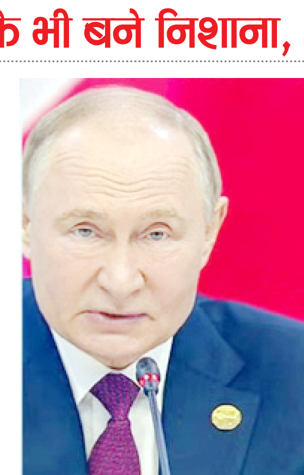

यूक्रेनी सेना ने भी रूस के आर्थिक हितों पर सीधे हवाई हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन लगभग हर रात रूसी सीमा के भीतर सैकड़ों लंबी दूरी के ड्रोन दाग रहा है। हाल ही में रूस की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी 'वाइल्डबेरीज' के गोदामों को तबाह करने के बाद यूक्रेनी ड्रोनों ने रूस की दूसरी सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेलर कंपनी 'ओजोन' को अपना निशाना बनाया है। ओजोन के उफा स्थित लॉजिस्टिक्स केंद्र पर सीधा हमला किया गया, जबकि ऑरेनबर्ग सुविधा को सतर्कता चेतावनी के बाद खाली कराना पड़ा। उधर, रूसी हवाई सुरक्षा प्रणालियों ने विभिन्न क्षेत्रों में यूक्रेन के 267 ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया है।

इस भीषण हमले से यूक्रेन के बुनियादी ढांचे पर क्या असर पड़ा?

इस बमबारी ने यूक्रेन के नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। ओडेसा के बंदरगाह क्षेत्र में हुए सात घंटे लंबे हमले में एक विशाल अनाज गोदाम (ग्रेन एलीवेटर) क्षतिग्रस्त हो गया, जो यूक्रेन के अनाज निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भीषण ठंड से पहले बिजली ग्रिड को ठप करने की नीयत से दागे गए चार ग्लाइड बमों ने खेरसॉन के एक प्रमुख संयंत्र के जनरेटरों को नष्ट कर दिया, जिससे 'नाफ्तोगाज' को प्लांट बंद करना पड़ा। रेलवे नेटवर्क प्रभावित हुआ और कई ट्रेनें 17 घंटे से अधिक की देरी से चलीं। इस हमले में जापोरिज्या में एक 78 वर्षीय महिला और खार्किव में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हुए। तबाही के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने यूरोपीय देशों से तत्काल अमेरिकी निर्मित पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों और अतिरिक्त बैलिस्टिक रक्षा पैकेजों की मांग की है, क्योंकि यूक्रेन के पास हवाई सुरक्षा मिसाइलों की कमी है। इसी बीच, यूक्रेन की हवाई सीमा का उल्लंघन करते हुए पांच अज्ञात ड्रोन पड़ोसी देश मोल्दोवा के हवाई क्षेत्र में घुसे, जिसने तनाव को और बढ़ा दिया है। यह पूरी जंग अब आपसी आर्थिक विनाश के एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां दोनों पक्ष सैन्य ठिकानों के साथ-साथ एक-दूसरे के व्यापार और जीवन रेखा को निशाना बना रहे हैं।

कूनो नेशनल पार्क की पांच टीमें छान रहीं जंगल की खाक

नहीं लगा निर्वा चीता का सुराग...उम्मीद है वह जल्द मिल जायेगी

श्योपुर। 20 अगस्त से कूनो से लापता मादा चीता निर्वा की तलाश में वन विभाग की पांच अलग-अलग टीमें लगातार जंगल की खाक छान रही हैं, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका है।

वन विभाग के अधिकारी जंगल में तलाशी के साथ शिकार हुए जानवरों के आसपास भी चीता के पगमार्ग आदि की तलाश भी कर रहे हैं। फिलहाल वन अमले के हाथ खाली हैं, और देरी होने के साथ अनहोनी की आशंका गहराती जा रही है। हालाकि पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ भोपाल डॉ. समीता राजौरा का कहना है कि निर्वा जंगल से बाहर निकली होती तो जानवरों के किल के निशान भी मिलते, उम्मीद है वह जल्द ही मिल जाएगी।

राजस्थान के शाहबाद पहुंचा दूसरा चीता, दो बकरियों का शिकार किया

पिछले पांच दिनों से राजस्थान के शाहबाद इलाके में देखा जा रहा चीता की गंध का पीछा करते हुए दूसरा चीता भी वहां पहुंच गया है। गुरुवार को दोनों ने दो बकरियों का शिकार किया। वन विभाग की ट्रेकिंग टीमें लगातार उनका पीछा करते हुए उन पर नजर बनाए हुए हैं। उधर कूनो में मादा चीता केजेपी-1 और नर चीता केजीपी-3 के बीच नजदीकियां देखी जा रही हैं। वह लगातार एक दूसरे के साथ टाइम बिता रहे हैं। उनके बीच मेटिंग होने की संभावना जताई जा रही है।

डॉग्स की मौत के मामले में हैंडलर के खिलाफ की जा रही विभागीय जांच

कूनो में चीतों की निगरानी के लिए लाए खोजी कुत्तों बेल्जियम मेलिनोइस प्रजाति के इलू और रूबी की मौत के मामले में हैंडलर के खिलाफ वन विभाग के अधिकारियों ने डी कायम कर दी है। उनके खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वाइल्ड लाइफ के अधिकारियों के द्वारा जानकारी दी गई है कि उनके पास अभी इस तरह के ट्रेंड 16 डॉग स्कावड की टीमें हैं। जिन्हें जरूरत पड़ने पर पूरे प्रदेश भर में उपयोग किया जाता है।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन ठगों पर लिया बड़ा एक्शन

80 मोबाइल नंबर और 15 आईएमईआई कराए ब्लॉक

इंदौर। ऑनलाइन ठगी करने वाले बदमाशों के मोबाइल नेटवर्क पर क्राइम ब्रांच ने बड़ा प्रहार किया है। साइबर सेल ने एनसीआरपी पोर्टल पर मिली शिकायतों और तकनीकी डेटा के विश्लेषण के आधार पर 80 संदिग्ध मोबाइल नंबर और 15 आईएमईआई नंबर ब्लॉक करवाए हैं।

ये नंबर और मोबाइल उपकरण अलग-अलग साइबर अपराधों में संदिग्ध रूप से इस्तेमाल किए जा रहे थे। नंबर और डिवाइस ब्लॉक होने से अब साइबर ठग इनके जरिए दोबारा लोगों को निशाना नहीं बना सकेंगे।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक, जनवरी से जुलाई 2026 के बीच आई4सी, गृह मंत्रालय के एनसीआरपी पर दर्ज साइबर अपराधों से जुड़े डेटा का तकनीकी विश्लेषण किया गया। इस दौरान ऐसे मोबाइल नंबरों को चिह्नित किया गया, जो अलग-अलग शिकायतों में बार-बार सामने आए थे।

एक ही नंबर से कई ठगी की शिकायतें

तकनीकी जांच में सामने आया कि कुछ मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल अलग-अलग लोगों से ऑनलाइन ठगी करने में किया जा रहा था। इन नंबरों से ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, फर्जी निवेश और ट्रेडिंग, नौकरी एवं वर्क फ्राम होम के नाम पर ठगी, सोशल मीडिया फ्राड और फर्जी लिंक भेजने जैसी गतिविधियां की जा रही थीं। साइबर सेल ने संदिग्ध नंबरों की जानकारी का विश्लेषण कर उन्हें ब्लाक कराने की कार्रवाई की। इसी तरह ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल उपकरणों की पहचान कर उनके 15 आईएमईआई नंबर भी ब्लॉक करवाए गए।

नंबर बदलकर फिर ठगी करने की कोशिश पर रोक

साइबर अपराधियों द्वारा अक्सर एक नंबर बंद करने के बाद दूसरा नंबर इस्तेमाल कर ठगी का नेटवर्क चलाया जाता है। ऐसे में केवल नंबर की पहचान के बजाय मोबाइल डिवाइस के आईएमईआई की पहचान भी महत्वपूर्ण होती है। क्राइम ब्रांच की कार्रवाई में दोनों स्तर पर प्रहार किया गया है। जोन-2 के डीसीपी अमनसिंह राठौड़ ने गुरुवार को 63 पीड़ितों को उनके गुम मोबाइल लौटाए। रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व गुम मोबाइल मिलने पर चेहरों पर मुस्कान लौट आई। ज्यादातर लोग मोबाइल मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे।

ई-अटेंडेंस व्यवस्था के मिल रहे अच्छे नतीजे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अभियान संचालित कर विद्यालयों में मूलभूत आवश्यकताओं की करें पूर्ति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर चल रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार सराहनीय हैं, इन्हें जारी रखा जाए। इसके साथ ही छात्रों के हित में विद्यालयों में अधोसंरचनात्मक विकास के लिए विभिन्न पक्षों का सहयोग प्राप्त किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में सभी व्यवस्थाएं बेहतर बनाने का कार्य निरंतर किया जाए। इसके लिए अभियान संचालित कर कार्यों को पूरा किया जाए। शालाओं में नवीन निर्माण कार्यों की पूर्णता को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को

समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में शासकीय शालाओं में अधोसंरचना, संधारण और संचालन व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण से संबंधित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तकनीक का अधिकतम उपयोग विभिन्न तरह के प्रबंधन को आसान बना देता है। सभी जिले इस दिशा में सक्रियतापूर्वक कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। आवश्यकता के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी जैसे सिपरी सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर क्षेत्र के पेयजल स्रोतों और जल स्तर की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। ऐसी जानकारियां विभिन्न कार्यों को जल्दी पूरा करने में उपयोगी सिद्ध होती हैं।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू करने के अच्छे परिणाम मिले हैं। "हमारे शिक्षक" ऐप के माध्यम से शिक्षकों की ऑनलाइन एआई संचालित व्यवस्था का अन्य राज्यों द्वारा भी अध्ययन किया जा रहा है। कर्मचारियों के लिये ई-अटेंडेंस अनिवार्य करने के बाद ई-अटेंडेंस 95 प्रतिशत तक हो गई है। न्यूनतम शिक्षण अवधि के अनुसार पठन-पाठन सुनिश्चित करने के कार्य में सफलता मिली है। मध्यप्रदेश शिक्षा का अधिकार अधिनियम का बेहतर क्रियान्वयन कर रहा है। स्वच्छ और हरित विद्यालय कार्यक्रम में प्रदेश के 2 विद्यालय रतलाम जिले के जावरा के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और भोपाल के शासकीय कमला नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया गया है। विगत 2 वर्ष में समेकित छात्रवृत्ति योजना का क्रियान्वयन कर लगभग सवा करोड़ छात्र हितग्राही लाभान्वित किए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने नोडल विभाग के रूप में कार्य करते हुए योजना अंतर्गत राशि का भुगतान शिक्षा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा विद्यार्थियों के खातों में किया गया है।

तेंदुओं के अवैध शिकार और अंगों की तस्करी मामले में एक और आरोपी मुरैना से गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश में अंतर्राज्यीय शिकार एवं तस्करी गिरोहों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने 10 तेंदुओं के अवैध शिकार एवं तस्करी के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं उनके बयानों के आधार पर एसटीएसएफ ने 26 अगस्त 2026 को मुरैना निवासी सुखदेव, पिता सर्वेश को गिरफ्तार किया। आरोपी को विशेष न्यायालय, शिवपुरी में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेलो इंडिया संवाद में वर्चुअल माध्यम से की सहभागिता

भोपाल। राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) के उपलक्ष में नई दिल्ली में ₹खेलो इण्डिया संवाद-खेल की बात पीएम मोदी के साथ₹ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को जबलपुर में डुमना एयरपोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सहभागिता की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का युवाओं से संवाद का कार्यक्रम जबलपुर में सिविल लाइंस स्थित शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित किया गया था। समारोह में उपस्थित युवाओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशभर की लगभग 1600 संस्थाओं से जुड़े 8 लाख से अधिक युवाओं के साथ वर्चुअली जुड़कर सीधा संवाद किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर युवाओं और खेल जगत से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति और खेल शक्ति को जोड़ने का माध्यम है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि एक खिलाड़ी की सफलता से उसके परिवार, स्कूल, कॉलेज, जिले और प्रदेश की पहचान मजबूत होती है। उन्होंने ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि कई ऐसे खेल हैं, जिनमें भारत अभी पर्याप्त भागीदारी नहीं कर रहा है। खेलों में नई संभावनाओं को तलाशकर अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष खेलों का इको-सिस्टम विकसित किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2036 ओलंपिक की तैयारियों का उल्लेख करते हुए 5 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों की पहचान के लिए बड़े टैलेंट हंट अभियान की बात कही। उन्होंने कहा कि केवल बच्चे की रुचि ही नहीं, बल्कि उसकी क्षमता और उपयुक्त खेल को भी ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। सरकार आधुनिक स्पोर्ट्स इको-सिस्टम विकसित करने के लिए स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र सहित आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित कर रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि खेल युवाओं को संघर्ष के बाद फिर उठकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने पैरा-एथलीट्स की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां पूरे परिवार और समाज को नई प्रेरणा देती हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने खेल को बेहतर जीवन, फिटनेस और बेहतर गुणवत्ता के लिए जरूरी बताते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने में खेलों की भूमिका पर भी जोर दिया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज खेल एक बेहतर कैरियर के रूप में भी उभर रहा है। खेल उपकरण, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, स्पोर्ट्स मेडिसिन, न्यूट्रिशन, साइकोलॉजी और एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए नए अवसर बन रहे हैं। उन्होंने युवाओं से खेल को जीवन का हिस्सा बनाने और अपने विचार एवं आइडिया सामने से रखने का आह्वान किया।

देवास के ट्रेंचिंग ग्राउंड में गड्ढा कर फेंकी 800 किलो मिठाई और 150 किलो एनालॉग मावा

देवास। मिलावटी और नकली मावे से मिठाई बनाने के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई में गुरुवार को जब्त सामग्री का नष्टीकरण कराया गया। बुधवार को नयापुरा स्थित न्यू स्वदेशी स्वीट्स और भोपाल चौराहा स्थित जोधपुर स्वीट्स से जब्त करीब 800 किलो मिठाई और लगभग 150 किलो एनालॉग मावे को प्रशासन की मौजूदगी में नष्ट किया गया। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर जेसीबी की मदद से गड्ढा खोदकर मिठाई और मावे को उसमें डालकर नष्टीकरण कराया गया। नष्टीकरण के दौरान मिठाई के साथ उसे रखने वाली पैकिंग और अन्य सामग्री भी मौके पर नष्ट की गई। प्रशासन की टीम की मौजूदगी में गड्ढा खोदकर सामग्री उसमें डाली गई और उसे मिट्टी से दबाया गया।

नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर ने बताया कि खाद्य सामग्री के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित दुकान संचालकों के खिलाफ अपर कलेक्टर न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिठाई बनाने वाली जगह को किया सील

बुधवार शाम नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर के नेतृत्व में प्रशासन और खाद्य विभाग की टीम ने दोनों दुकानों पर अचानक जांच की थी। न्यू स्वदेशी स्वीट्स से 220 किलो एनालॉग मावे के यूज्ड पैकेट और 52 किलो भरे हुए पैकेट मिले थे। वहीं भोपाल चौराहा स्थित जोधपुर स्वीट्स से 600 किलो यूज्ड और 72 किलो भरे हुए मावे के पैकेट मिले थे। कार्रवाई के दौरान जिस स्थान पर मिठाई तैयार की जा रही थी, उसे सील कर दिया गया था।

अन्य दुकानों पर भी की जांच

प्रशासन की टीम ने गुरुवार को शहर की दो अन्य मिठाई दुकानों पर भी जांच की। यहां एनालॉग मावा नहीं मिला। त्योहारी सीजन में मिलावट की आशंका को देखते हुए प्रशासन और खाद्य विभाग की जांच आगे भी जारी रहने की बात कही गई है।

पैसे दोगुने करने का झांसा देकर 2 करोड़ रूपए की धोखाधड़ी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का राजगढ़ पुलिस ने किया पदार्फाश

भोपाल। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देशन में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संगठित एवं अंतर्राज्यीय अपराधों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में राजगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन मनीट्रेप के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए पैसे दोगुने करने का झांसा देकर लगभग 2 करोड़ रूपए की धोखाधड़ी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने मामले में 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 1 करोड़ 73 लाख रूपए नगद, 04 चार पहिया वाहन एवं 19 एंड्रॉयड मोबाइल सहित लगभग 2 करोड़ 92 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

24 जुलाई को ब्यावरा निवासी फरियादी द्वारा थाना ब्यावरा शहर में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि आरोपियों ने स्वयं को बड़ी कंपनी से जुड़े लोगों का परिचित बताते हुए निवेश की राशि दोगुनी करने का लालच दिया। आरोपियों ने फर्जी ई-मेल, दस्तावेज एवं भुगतान संबंधी संदेश दिखाकर फरियादी का विश्वास हासिल किया और 2 करोड़ निवेश करने पर अधिक राशि वापस मिलने का झांसा दिया।

आरोपियों द्वारा भोपाल में फरियादी से 2 करोड़ रूपए की नगद राशि प्राप्त की गई। इसके बाद उसे हवाला/आंगड़िया के माध्यम से राशि भेजने तथा भुगतान किए जाने का विश्वास दिलाने के लिए 4 करोड़ रूपए के फ्ळत्त्र का फर्जी स्क्रीन शॉट दिखाया गया। राशि वापस नहीं मिलने पर फरियादी को धोखाधड़ी का पता चला। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजगढ़ द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी एवं ठगी की राशि की बरामदगी के लिए 10 विशेष टीमों का गठन किया गया।

मुआवजा बंटा और जमीन मिली, लेकिन बारिश के बाद शुरू होगा इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का काम

इंदौर। सिंहस्थ-2028 के लिए महत्वपूर्ण इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड सड़क के निर्माण की तैयारी शुरू होने के बाद फिलहाल बारिश ने काम की गति रोक दी है। किसानों को अवार्ड पारित होने और जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया लगभग पूरी होने के बाद मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने निर्माण एजेंसी के जरिए निर्माण प्रक्रिया शुरू की है, लेकिन वर्षाकाल के कारण काम गति नहीं पकड़ पाया। कई किसान अधिग्रहित जमीन पर फसल की बोवनी कर चुके हैं। ऐसे में वर्षाकाल समाप्त होते ही निर्माण कार्य गति पकड़ेगा। करीब 2935 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला 48 किलोमीटर लंबा फोरलेन कॉरिडोर इंदौर के पितृ पर्वत क्षेत्र से उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर के समीप सिंहस्थ बायपास तक बनाया जाएगा। सड़क सिंहस्थ के दौरान पीथमपुर और इंदौर एयरपोर्ट से उज्जैन पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए सीधा और सुगम मार्ग उपलब्ध कराएगी। इससे मौजूदा मार्गों पर यातायात का दबाव कम होने के साथ दोनों शहरों के बीच यात्रा समय भी घटेगा। योजना की शुरूआत में किसानों के विरोध

के कारण योजना कई दिनों तक लंबित रही, बाद में मुआवजा प्रकरण का निराकरण होने के बाद जमीन अधिग्रहण और अब निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो रही है। एमपीआरडीसी के डिवीजनल मैनेजर गगन भाभर का कहना है कि वर्षाकाल के कारण निर्माण कार्य प्रभावित है। वर्षाकाल के बाद सड़क निर्माण कार्य तेज गति से शुरू किया जाएगा।

परियोजना के लिए इंदौर-उज्जैन जिलों में 917 किसानों की 242.939 हेक्टेयर जमीन प्रभावित हुई है। किसानों को 816 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा दिया गया है। प्रशासन ने कलेक्टर गाइडलाइन के बजाय वास्तविक बिक्री दर के आधार पर चार से आठ गुना तक मुआवजा दिया है। इससे जमीन अधिग्रहण को लेकर शुरूआती विरोध को काफी हद तक थामने में मदद मिली।

28 गांव सीधे जुड़ेंगे

सड़क से इंदौर जिले के 20 और उज्जैन जिले के आठ गांव सीधे जुड़ेंगे। आसपास के 40 से 50 गांवों की करीब 15 लाख आबादी को भी बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। इससे कृषि, व्यापार, शिक्षा और रोजगार के लिए आवागमन आसान होगा। सड़क के दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे और पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर से जुड़ने के बाद औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इंदौर से उज्जैन के बीच बनने वाली फोरलेन सड़क पहले एलिवेटेड बनने वाली थी और इसके दोनों तरफ सर्विस रोड भी प्रस्तावित थी। किसानों के विरोध के बाद सरकार ने इसे जमीनी स्तर पर बनाने का निर्णय लिया है। वहीं सड़क के दोनों तरफ की सर्विस रोड को हटा दिया गया है। यह सड़क अब खेतों के बराबर ऊंचाई पर बनेगी, इससे किसानों के खेतों में पानी भराव की समस्या नहीं होगी।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।